संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-137 ■ रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : चतुर्थी
नक्षत्र : अनुराधा
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : शुक्ल
वार : बुधवार
योग : आयुष्मान
सूर्योदय : 06:25
सूर्यास्त : 17:48
चंद्रमा : वृश्चिक राशि में
राहुकाल : 12:06 - 13:32
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

मालदीव ने तमिलनाडु के 25 मछुआरों को 3 नावों समेत हिरासत में लिया

चेन्नई। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के 25 मछुआरों को मालदीव के कोस्ट गार्ड ने हिरासत में ले लिया है। उनके साथ मछली पकड़ने वाली 3 नावें भी जब्त की गई हैं। ये सभी मछुआरे गहरे समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। अब मछुआरा समुदाय ने केंद्र सरकार से सभी लोगों की सुरक्षित रिहाई और नावें वापस दिलाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की है। मछुआरों के मुताबिक, समुद्र में तेज हवाओं और पानी की धाराओं के कारण उनकी नावें मालदीव के जलक्षेत्र में पहुंच गई थीं। थारुवैकुलम के मछुआरे सुदर्शन ने बताया कि वे गिलनेट यानी जाल के जरिए मछली पकड़ने का काम करते हैं। 1 अक्टूबर को 25 मछुआरे तीन मशीनी नावों पर सवार होकर गहरे समुद्र में टूना मछली पकड़ने निकले थे। इसी दौरान मालदीव के कोस्ट गार्ड ने उन्हें हिरासत में ले लिया। मालदीव के अधिकारियों का आरोप है कि मछुआरों ने समुद्री सीमा पार कर उसके जलक्षेत्र में मछली पकड़ी। हालांकि, मछुआरा समुदाय का कहना है कि तेज हवाओं और समुद्री धाराओं के कारण नावें मालदीव की सीमा में चली गई थीं।

पाकिस्तान में पटरी से उतरी ट्रेन, 5 की मौत; 30 से ज्यादा घायल

लाहौर: पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 30 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हुआ जब ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी। इसी दौरान रेहमान बाबा एक्सप्रेस मुल्तान में शेर शाह ब्रिज के पास पटरी से उतर गई। जियो न्यूज ने पुलिस और बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायलों को इलाज के लिए मुल्तान के निश्तर अस्पताल ले जाया गया, जबकि बचाव दल दुर्घटना स्थल पर अपना काम जारी रखे हुए थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई और करीब 30 लोग घायल हुए हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि 13 कोच खाली करा लिए गए थे, जबकि एक कोच में बचाव कार्य जारी था। एक यात्री ने पत्रकारों को बताया कि हादसे से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने कोच नंबर नौ के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी। जियो की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि बताई गई मरम्मत का पटरी से उतरने की घटना से कोई संबंध था या नहीं।

मुख्यमंत्री ने की मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा

खेल प्रतिभाओं को गांव के मैदान से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। गांवों, जनजातीय क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों में ऐसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिन्हें सही समय पर पहचान, बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और प्रतिस्पर्धा के पर्याप्त अवसर मिलें तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ा सकती हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसी प्रतिभाओं के लिए गांव के खेल मैदान से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक आगे बढ़ने का सुनियोजित मार्ग तैयार करना है। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन इसी सोच को धरातल पर उतारने की महत्वपूर्ण पहल है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव और संजू देवी जैसी प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों से यह साबित किया है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भरपूर क्षमता है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में हो और उन्हें लगातार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं का अनुभव मिले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन की कार्ययोजना ऐसी हो, जिसमें खिलाड़ी की प्रतिभा की पहचान से लेकर उसके उच्च प्रदर्शन वाले खिलाड़ी बनने तक की पूरी यात्रा के लिए स्पष्ट व्यवस्था हो।

गांवों और दूरस्थ अंचलों तक पहुंचे खेल प्रतिभाओं की खोज

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेल प्रतिभाओं की तलाश केवल बड़े शहरों और स्थापित खेल अकादमियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। तीरंदाजी, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों से इन क्षेत्रों के युवाओं का स्वाभाविक जुड़ाव रहा है। ऐसी प्रतिभाओं को चिन्हित कर वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रशिक्षण से जोड़ने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि खेल उत्कर्ष मिशन की सफलता इस बात से तय होगी कि हम जमीनी स्तर पर कितनी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दे पाते हैं। कोई भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी केवल संसाधनों अथवा अवसर की कमी के कारण पीछे नहीं रहना चाहिए।

स्कूल से ही मजबूत होगी खेल संस्कृति

मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्कूल स्तर से खेल गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले गांवों में बच्चों का खेल के मैदानों से स्वाभाविक जुड़ाव होता था, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण यह जुड़ाव कम हुआ है। इसे फिर मजबूत करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूलों में व्यायाम



शिक्षकों के माध्यम से नियमित खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी विकसित करते हैं। स्कूल स्तर पर प्रतिभा की पहचान होने से योग्य बच्चों को समय रहते विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सकेगा और वे भविष्य में खेलों को एक बेहतर करियर के रूप में भी अपना सकेंगे।

फीडर सेंटर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तक बनेगा प्रशिक्षण का मजबूत तंत्र

बैठक में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, तैराकी, बैडमिंटन, जूडो और कबड्डी सहित प्राथमिकता वाले खेलों के विकास की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए फीडर सेंटर, उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्र और उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने की प्रस्तावित व्यवस्था की समीक्षा की गई। फीडर सेंटरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः खेल अकादमियों और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण केंद्रों से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाओं की पहचान के बाद उनके प्रदर्शन और प्रगति की नियमित निगरानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे प्रत्येक चयनित खिलाड़ी के प्रशिक्षण, प्रदर्शन और आवश्यकता का नियमित आकलन हो तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अगले स्तर तक पहुंचने के अवसर मिलते रहें।

प्रशिक्षित कोच और स्पोर्ट्स साइंस पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री श्री साय ने खेलवार प्रशिक्षित और योग्य कोचों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस खेल की जहां संभावनाएं अधिक हैं, वहां उसी के अनुरूप विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की पदस्थापना और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बैठक में आधुनिक स्पोर्ट्स साइंस सुविधाओं के विकास पर भी विस्तृत चर्चा हुई। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, मनोवैज्ञानिक सहयोग, फिटनेस, चोटों से बचाव और पुनर्वास जैसी सेवाओं को प्रशिक्षण व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाने की योजना पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में तकनीक और खेल विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी आधुनिक प्रशिक्षण की इन सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में यात्री बसों का किराया बढ़ा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में यात्री बसों से सफर करने वाले लोगों को अब अधिक किराया चुकाना होगा। राज्य सरकार ने यात्री बसों के किराये की नई दरें निर्धारित की हैं। इसकी अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की गई है। नई दरों के तहत साधारण, डीलक्स और वातानुकूलित सुपर लग्जरी बसों के लिए अलग-अलग किराया तय किया गया है। वहीं, दिव्यांग यात्रियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार किराये में 50 प्रतिशत तक की छूट देने का प्रावधान किया गया है।

नई दरों के अनुसार, साधारण बस सेवा में शुरुआती 5 किलोमीटर की यात्रा के लिए प्रति यात्री 10 रुपये देने होंगे। इसके बाद प्रत्येक किलोमीटर के लिए 1.75 रुपये प्रति यात्री की दर से किराया लिया जाएगा। डीलक्स बस सेवा में पहले 5 किलोमीटर का किराया 12 रुपये तय किया गया है। इसके बाद यात्रियों को प्रत्येक किलोमीटर के लिए 2.20 रुपये प्रति यात्री की दर से भुगतान करना होगा।

वातानुकूलित सुपर लग्जरी बसों के लिए भी शुरुआती 5 किलोमीटर का किराया 12 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके बाद यात्रियों को प्रत्येक किलोमीटर के लिए 03.30 रुपए प्रति यात्री की दर से भुगतान करना होगा। वातानुकूलित अर्द्ध शयनयान में सीटों के लिए 3 रुपए प्रति यात्री तथा शयनयान के लिए 03.30 रुपए प्रति यात्री की दर से भुगतान करना होगा।

सरकार ने किराये में राहत के प्रावधान भी किए हैं। निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले दिव्यांग यात्रियों को किराये में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, निःशुल्क यात्रा के लिए पात्र श्रेणियों में शामिल यात्रियों को 100 प्रतिशत किराया छूट देने का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति दुनिया के लिए उदाहरण : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर जारी अनुमान पर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आईएमएफ द्वारा वर्ष 2026 और 2027 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2026 में वैश्विक विकास दर मात्र 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अंतर भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती, निरंतरता और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में किए गए व्यापक आर्थिक सुधारों, अधोसंरचना में ऐतिहासिक निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार, विनिर्माण को प्रोत्साहन और उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण ने देश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। भारत आज न केवल दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की यह तेज आर्थिक प्रगति 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश के मजबूत कदमों का परिचायक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में छत्तीसगढ़ भी अपनी पूरी सामर्थ्य के साथ सहभागी है। राज्य सरकार 'विकसित भारत–विकसित छत्तीसगढ़' के ध्येय के अनुरूप निवेश, उद्योग, अधोसंरचना, रोजगार और नवाचार को गति देते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिया

पीएम मोदी को पत्र लिखकर राज्यसभा से भी सदस्यता छोड़ने की इजाजत मांगी

नई दिल्ली ■ दैनन्दिनी



केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखा है और उसमें MoS के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त करने और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की अनुमति मांगी है। पीएम मोदी को भेजे इस्तीफे के पत्र में एल मुरुगन ने कहा है कि वह तमिलनाडु में बीजेपी को मजबूत करने के लिए अपना पूरा समय देना चाहते हैं। एल मुरुगन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत माता और तमिलनाडु की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। दिहाड़ी मजदूरों के बेटे के तौर पर शुरुआत करके माननीय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में सेवा करने का अवसर मिलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। अब, मैं ज़मीनी स्तर पर वापस लौटना चाहता हूं, अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा होना चाहता हूं और 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले तमिलनाडु में बीजेपी को मज़बूत करने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहता हूं। राष्ट्र सर्वोपरि। पार्टी उसके बाद। स्वयं सबसे अंत में।" एल मुरुगन, सूचना और प्रसारण तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दे रहे थे लेकिन उनके इस्तीफे ने सियासी जगत को चौंका दिया।

भारत में ड्रोन से हथियारों की खेप गिराने की साजिश नाकाम, सुरक्षा एजेंसियां नेटवर्क की पड़ताल में जुटी

श्रीगंगानगर ■ एजेंसी

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर श्रीगंगानगर जिले के रावला क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हथियार और संदिग्ध विस्फोटक सामग्री भेजने की साजिश का खुलासा हुआ है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF), बीएसएफ, राजस्थान पुलिस, सीआईडी और एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से संचालित संभावित नेटवर्क की पड़ताल में जुटी हैं।

दो युवकों को पकड़ा गया

ANTF के आईजी विकास कुमार के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां पिछले करीब एक महीने से संदिग्ध नेटवर्क पर निगरानी रख रही थीं। इसी दौरान रावला क्षेत्र में खानुवाली पोस्ट के पास ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप गिराए जाने का मामला सामने आया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे बीएसएफ जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों की पहचान लखविंदर सिंह (19), निवासी फिरोजपुर और सुखविंदर सिंह (19), निवासी जालंधर के रूप में की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में सक्रिय बताए गए हैं।

सुरक्षाबलों की टीम ने श्रीगंगानगर में मौके से तीन पैकेट बरामद किए हैं। इन पैकेट में दो जिगाना पिस्टल, चार मैगजीन और करीब 650 कारतूस मिले हैं। पिस्टलों पर 'मेड इन तुर्की' लिखे होने की जानकारी सामने आई है।

कार-ट्रेलर की भीषण टक्कर में 3 लोगों की मौत

चाईबासा ■ एजेंसी



छत्तीसगढ़ से जमशेदपुर का जा रहा था परिवार

छत्तीसगढ़ से जमशेदपुर का सफर एक परिवार के लिए जिंदगी की आखिरी यात्रा बन गया। पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र में कुदापी डाउन के पास कार और ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

जानकारी के मुताबिक, कार में एक ही परिवार के लोग सवार थे और सभी छत्तीसगढ़ से जमशेदपुर जा रहे थे। कुदापी डाउन के पास पहुंचते ही उनकी कार सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। भीषण टक्कर में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और तीन लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल मृतकों और घायलों की पहचान की विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में कार और ट्रेलर के बीच आमने-सामने की टक्कर की बात सामने आई है।

लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में हम एकजुट : राहुल गांधी

विपक्षी नेताओं के साथ बैठक के बाद बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने घर पर INDIA ब्लॉक के नेताओं और छात्र संगठनों व सिविल सोसाइटी के सदस्यों को चाय पर बुलाया। राहुल गांधी के 5, सुनहरी बाग रोड स्थित आवास पर मौजूद नेताओं में तेजस्वी यादव और मनोज झा, महुआ माजी, हरेंद्र मलिक, आनंद भदौरिया और मोहिबुल्लाह नदवी , एम ए बेबी , डी राजा और पी संतोष कुमार, AISA प्रमुख नेहा बोरा, दीपांकर भट्टाचार्य और महुआ मोइत्रा शामिल हुए। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के अलावा पार्टी नेता के सी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, शशि थरूर और पवन खेड़ा भी मौजूद थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा, "हम सभी यहां एक होकर खड़े हैं। हमारे प्रदर्शन का एक मिशन है, लोकतंत्र को बचाना। हम एकजुट होकर लड़ रहे हैं। हम लोकतंत्र को दोबारा लाएंगे। लोकतंत्र में अपनी बात कहने का एक जरिया जंतर-मंतर था और अब सरकार ने तय किया है कि जंतर-मंतर का इस्तेमाल



लोकतांत्रिक भावनाएं जाहिर करने के लिए नहीं किया जा सकता। हम इस सोच को चुनौती देने जा रहे हैं। सरकार के लिए यह तय करना इतना आसान नहीं होगा कि भारत के लोग अपनी आवाज के लिए लड़ेंगे नहीं। जिन लोगों ने ऐसा किया है - मिस्टर मोदी, जो इसके मुख्य सूत्रधार हैं; मिस्टर अमित शाह, जो इसे लागू करने वाले हैं; मिस्टर ज्ञानेश कुमार और अन्य - उन्हें यह समझना होगा कि उन पर शिकंजा कस रहा है। यह इतना आसान नहीं होगा कि आप भारतीय संविधान को नष्ट कर दें और बच निकलें।"

राहुल गांधी ने आगे कहा, "हम सब यहां एक साथ खड़े हैं। जैसा कि मैंने कल कहा था, कोई समानांतर विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। सिर्फ एक ही विरोध प्रदर्शन है और इस विरोध का एक ही मकसद है: भारत में लोकतंत्र की बहाली।

पंडरिया में दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत, एक की मौत, दो घायल

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रहमान कांपा के पास दो मोटरसाइकिलों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पंडरिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में पहली मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर क्रमांक HR-08-N-4467 पर सवार गुरुदेव सिंह (45 वर्ष), पिता दलवीर सिंह, निवासी ग्राम सिबन, थाना सिबन, जिला कैथल, हरियाणा की मौत हो गई। इसी मोटरसाइकिल पर सवार अरसिद खान (41 वर्ष), पिता अलीसेर, निवासी ग्राम सिबन, थाना सिबन, जिला कैथल, हरियाणा घायल हो गए। वहीं, दूसरी मोटरसाइकिल होंडा साइन क्रमांक 28-Q-9373 पर सवार सुनील कुमार कोसरिया (24 वर्ष), पिता राजकुमार, निवासी ग्राम किसुनगण, थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ भी दुर्घटना में घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला, खुद के लिखे गाने गाए

मुंबई (एजेंसी)। एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) ट्रैक हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आजमाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेशन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए सनम रे की एक्ट्रेस ने कहा, भारत की पहली बॉलीवुड ईडीएम सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फुल-लेंथ ईडीएम रिकॉर्ड/ट्रैक के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है।

उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हूं, सिर्फ अपनी इमेज को सजाने के लिए नहीं बल्कि एक ऐसे रूप के तौर पर जिसे मैं हार्ट कंट्रोलर के लिए एक वोकलिस्ट और राइटर के तौर पर अपनाना चाहती थी। यह रिलीज हो गया है। यह उन सभी के लिए है जो इस जॉनर को



पसंद करते हैं और उनके लिए भी जिन्होंने कभी किसी पूरे इलेक्ट्रॉनिक ट्रैक के बीच में किसी भारतीय नाम को अकेले गूंजते हुए नहीं सुना है।

उर्वशी ने कहा, यह रिकॉर्ड सिर्फ एक गाना नहीं है। इसके बोल सुनने पर महाभारत, वंश और गरिमा, भारतीय संस्कृति और परंपरा, और मेरे अपने नाम की झलक मिलती है। गाने में रौतेला नाम जान-बूझकर शामिल किया गया है: इसे धीरे और सही ढंग से बोलें। उर्वशी इसका टाइटल है। जिस अर्थ से मैंने यह गाना बनाया है, उसमें उर का मतलब है दिल और वशी का मतलब है कंट्रोल करने वाला। इसलिए हार्ट कंट्रोलर। मैं किसी और महिला के बारे में नहीं बता रही हूं। मैं बस इस नाम को गा रही हूं।

जिन लोगों ने यह रिकॉर्ड सुना है, उन्होंने इसे बहुत पसंद किया है। बस इतना ही काफी है। मैं अपनी आवाज किसी और के गाने में नहीं दे रही हूं। मैं इसे खुद दुनिया के सामने, और दुनिया से परे पूरे ब्रह्मांड के सामने पेश कर रही हूं। हार्ट कंट्रोलर अब सिर्फ मेरा नहीं है, यह आपका भी है। ओरिएंटल हाउस और हॉलीवुड के टॉप प्रोड्यूसर्स, असलन और तिमोर जाना के साथ यह रिकॉर्ड बनाकर मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिल रही है।

उर्वशी रौतेला ने सनी देओल के साथ फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने सनम रे (पुलकित सम्राट और यामी गौतम के साथ एक रोमांटिक ड्रामा), ग्रेट ग्रैंड मस्ती (मस्ती कॉमेडी फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म) और हेट स्टोरी 4 जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने ऋतिक रोशन की फिल्म काबिल के गाने मोन अमूर में भी एक स्पेशल अपीयरेंस दिया।

तिरुमला मंदिर में दर्शन करने पहुंचे रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा



मुंबई (एजेंसी)। साउथ सिनेमा के चर्चित कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मंगलवार सुबह तिरुमला मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान दोनों पारंपरिक परिधान में नजर आए। जहां विजय सफेद सिल्क कुर्ते और धोती में दिखे, वहीं रश्मिका पीली सिल्क साड़ी और गुलाबी ब्लाउज में खूबसूरत लगीं। दर्शन के बाद मंदिर से बाहर निकलते समय फैंस ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान विजय अपनी पत्नी को भीड़ से सुरक्षित निकालते नजर आए। कपल के मंदिर पहुंचने के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें प्रशंसकों की उत्सुकता और दोनों का उनके प्रति व्यवहार देखने को मिला।

भीड़ में रश्मिका का ख्याल रखते दिखे विजय

पैपराजी की ओर से साझा किए गए वीडियो में विजय और रश्मिका मंदिर परिसर में प्रवेश करते दिखाई देते हैं। उनके साथ टीम के सदस्य और मंदिर के अधिकारी भी मौजूद थे। दर्शन के दौरान उन्हें ज्यादा परेशानी नहीं हुई, लेकिन बाहर निकलते ही प्रशंसकों की भीड़ जमा हो गई। लोग उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए आगे बढ़ने लगे। ऐसे में विजय रश्मिका को अपने करीब रखते हुए गोल्फ कार्ट तक ले जाते दिखे। उनकी टीम ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की, जबकि रश्मिका ने कुछ प्रशंसकों से हाथ मिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद दोनों गोल्फ कार्ट से रवाना हो गए। वीडियो में विजय का पत्नी के प्रति सतर्क रवैया लोगों का ध्यान खींच रहा है।

रणबाली के ट्रेलर लॉन्च में शामिल नहीं हुई थीं रश्मिका

रश्मिका हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'रणबाली' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल नहीं हो पाई थीं। पिछले गुरुवार को हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वह मुंबई में दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। विजय देवरकोंडा और फिल्म की बाकी टीम ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। मुंबई से लौटने के बाद रश्मिका फिल्म के प्रमोशन में विजय के साथ जुड़ गईं। इसी सिलसिले में दोनों सोमवार शाम चेन्नई पहुंचे और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मुलाकात की। विजय ने मुख्यमंत्री के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि व्यस्त दिन के बावजूद उन्होंने दोनों का गर्मजोशी से स्वागत किया और जिंदगी, काम तथा दुनिया से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। विजय ने इस मुलाकात को यादगार बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति सम्मान भी जाहिर किया। रश्मिका ने भी तस्वीरें पोस्ट कर उनसे मिलने पर खुशी जताई।

19वीं सदी की पृष्ठभूमि पर बनी है रणबाली

'रणबाली' का निर्देशन राहुल सांकृत्यायन ने किया है। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले नवीन येर्ननी और वाई. रवि शंकर ने इसका निर्माण किया है, जबकि टी-सीरीज फिल्म्स इसे प्रस्तुत कर रही है। फिल्म की कहानी 19वीं सदी के भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान पड़े अकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। अभिनेता अर्नोल्ड वॉस्लू इसमें खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'रामायण' में धर्म के लिए रावण से लड़ेगा वीर जटायु, सामने आया पहला पोस्टर

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। फिल्म के मेकर्स एक-एक करके अहम किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब जटायु का नया पोस्टर सामने आया है, जिसे अभिनेता अनूपम खेर ने अपनी आवाज दी है। पोस्टर में जटायु का साहसी और प्रभावशाली रूप देखने को मिल रहा है। रामायण की कथा में जटायु का विशेष स्थान है, क्योंकि वह माता सीता को रावण के चंगुल से बचाने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना उससे भिड़ जाते हैं। फिल्म में इस किरदार के जरिए साहस, बलिदान और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा की कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। वहीं, फिल्म के पहले भाग की रिलीज डेट भी करीब आ रही है।

'रामायण' के नए पोस्टर में जटायु का क्लोज-अप दिखाई देता है, जिसमें उनकी गंभीर आंखें और प्रभावशाली चेहरा ध्यान खींचते हैं। पोस्टर के दूसरे दृश्य में वह अपने विशाल पंख फैलाए नजर आते हैं। मेकर्स ने इसे 'धर्म के पंख' नाम दिया है, जो जटायु के साहस और सत्य के पक्ष में खड़े होने के संकल्प को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि जब अधर्म ने उड़ान भरी तो साहस उसका सामना करने के लिए खड़ा हुआ। जटायु ने विजय पाने के लिए नहीं, बल्कि सही का साथ देने के लिए युद्ध किया। इसी संदेश के साथ अनूपम खेर को 'रामायण' में जटायु की आवाज के रूप में पेश किया गया है। पोस्टर के जरिए फिल्म की टीम ने इस महाकाव्य के एक ऐसे पात्र को सामने लाने की कोशिश की है, जिसकी वीरता उसकी शक्ति से ज्यादा उसके साहस में दिखाई देती है।

रामायण में जटायु को एक ऐसे वीर पक्षी के रूप में याद किया जाता है, जो माता सीता के अपहरण के समय रावण को रोकने का प्रयास करता है। रावण



की ताकत से परिचित होने के बावजूद जटायु अन्याय के सामने झुकने के बजाय उसका सामना करते हैं। इस संघर्ष में वह गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं, लेकिन उनका प्रयास धर्म और निष्ठा की मिसाल बन जाता है। 'रामायण' में अनूपम खेर की आवाज इस किरदार के साहस, दृढ़ता और भावनात्मक गहराई को उभारने में अहम भूमिका निभाएगी। जटायु का पोस्टर जारी होने के बाद अब दर्शकों को यह देखने का इंतजार रहेगा कि फिल्म में इस महत्वपूर्ण प्रसंग को किस भव्यता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। रॉकिंग स्टार यश रावण की भूमिका निभाएंगे। वहीं सनी देओल भगवान हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म में इन बड़े सितारों की मौजूदगी ने इसे पहले से ही चर्चा का विषय बना दिया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने आठ बार ऑस्कर जीत चुकी विजुअल इफेक्ट्स कंपनी DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म को दो भागों में तैयार किया जा रहा है।

कब रिलीज होगी 'रामायण'?

'रामायण' का पहला भाग 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगा, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में आएगा। फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। इसे IMAX फॉर्मेट में भी दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। मेकर्स के मुताबिक पहले भाग की एडवांस बुकिंग दशहरे पर शुरू होने वाली है, जिसमें अब आठ दिन बाकी हैं।

सेहत

गले में खराश है? इन 5 घरेलू उपायों से पाएं राहत

गले में खराश एक आम समस्या है, जो अक्सर सर्दी या संक्रमण के कारण होती है। इससे गले में जलन और दर्द महसूस होता है। इसके लिए कई घरेलू उपाय मौजूद हैं, जिनमें कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन खासतौर पर फायदेमंद हो सकता है। इस लेख में हम आपको 5 ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जिनका सेवन गले की खराश को कम करने में मदद कर सकता है और आपको आराम दे सकता है।

शहद का सेवन करें

शहद एक प्राकृतिक औषधि है, जो गले की खराश को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लडऩे में सहायक होते हैं।

शहद को गर्म पानी या चाय में मिलाकर पीने से गले की जलन कम होती है और आराम मिलता है।

इसके अलावा शहद का सेवन करने से



गले की सूजन भी कम होती है और आपको राहत मिलती है।

अदरक की चाय पिएं

अदरक की चाय में ऐसे गुण होते हैं, जो गले की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। अदरक में मौजूद तत्व बैक्टीरिया को मारने का काम करते हैं।

गर्म पानी में थोड़ी सी कटी हुई अदरक डालकर उबालें, फिर इसे छानकर उसमें शहद मिलाएं और पिएं।

यह मिश्रण न केवल गले की खराश को कम करता है, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

तुलसी की पत्तियां चबाएं

तुलसी की पत्तियां ऐसे गुणों से भरपूर होती हैं, जो संक्रमण से लडऩे में सहायक होते हैं। तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और गले की खराश कम होती है।

इसके अलावा तुलसी की पत्तियां पाचन क्रिया को भी सुधारती हैं और शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती हैं।

लहसुन का इस्तेमाल करें

लहसुन में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लडऩे में मदद करते हैं। लहसुन को कच्चा चबाना या उसके रस को पानी में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।

यह न केवल गले की खराश को कम करता है बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

इसके अलावा लहसुन का सेवन करने से शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करें

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करने से गले की सूजन कम होती है और आराम मिलता है। नमक में ऐसे गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को मारने में सहायक होते हैं।

इन घरेलू उपायों का नियमित रूप से पालन करके आप अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं और जल्द ही स्वस्थ हो सकते हैं। **(एजेंसी)।**

पथरी पिघलाने में मददगार है नारियल पानी

किडनी में पथरी की समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है। इतना ही नहीं ये समय के साथ गंभीर हो सकती है। दरअसल, किडनी का काम शरीर में खून को फिल्टर करना है और मूत्र के माध्यम से इन टॉक्सिन को बाहर निकालना है। पर कभी-कभी पेशाब में सॉल्ट और अन्य खनिज बहुत ज्यादा हो जाते हैं और ठीक से फिल्टर नहीं हो पाते हैं। यही जब इक_ा होने लगते हैं तो,पथरी बनने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप समय-समय पर इन टॉक्सिन को बाहर निकालें चाकि ये जमा होकर पथरी का रूप न लें और इसी काम में मददगार है नारियल पानी।

डायूरेटिक है नारियल पानी

नारियल पानी की खास बात ये है कि ये डायूरेटिक गुणों से भरपूर है। यानी कि ये किडनी के अंदर फिल्ट्रेशन के प्रोसेस को तेज करता है और फिर मूत्र के माध्यम से गंदगी को डिटॉक्स करता है। इसके अलावा ये पेशाब को खुलकर होने में मदद करता है और इसकी मात्रा बढ़ाता है जिससे किडनी फ्लश ऑउट हो पाती है और सारे टॉक्सिन शरीर से बाहर निकल पाते हैं।

लैक्सेटिव गुणों से भरपूर

लैक्सेटिव गुणों का मतलब है कि जो किडनी में जमा क्लोरीन और साइट्रेट सॉल्ट से चिपक कर इसे शरीर से बाहर निकालने में मदद करे। यही काम नारियल पानी का खास गुण है और इसका सेवन क्रिएटिनिन लेवल को कम करता है और शरीर को अंदर से डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है।

पथरी पिघलाने में मददगार

किडनी में जमा पथरी को पिघलाने में नारियल पानी इसका अल्कलाइन गुण पथरी को तोडऩे लगता है और फिर इसे पिघलाकर बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है क्रिएटिनिन स्तर को कम करके गुर्दे की पथरी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, नारियल पानी, जिसमें कि पोटेशियम ज्यादा है, किडनी में ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है, उसकी कार्यप्रणाली में सुधार करता है और पथरी बनने से रोकता है। साथ ही ये किडनी को स्वस्थ रखने में भी मददगार है।

नवरात्रि व्रत में डायबिटीज के मरीज इन बातों का रखें ध्यान? नहीं बढ़ेगा ब्लड शुगर लेवल

नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। त्योहार के इस खास मौके पर लोग व्रत रखते हैं, लेकिन डायबिटीज (मधुमेह) से पीड़ित मरीजों के लिए व्रत रखते समय अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना एक बड़ी चुनौती हो सकता है। इस दौरान खान-पान में बदलाव, भोजन करने के समय में अंतर और दवाइयों के समय में बदलाव के कारण ब्लड शुगर का स्तर प्रभावित हो सकता है। हालांकि, कुछ सावधानियां बरतकर त्योहार का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ध्यान रखा जा सकता है। ऐसे में डॉ अर्चना एस, क्लिनिकल डायटीशियन और सर्टिफाइड डायबिटिक एजुकेटर, किम्स हॉस्पिटल बता रही हैं कि नवरात्रि व्रत के दौरान डायबिटीज के मरीजों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

खान-पान का खास ध्यान रखें

व्रत रखने का मतलब यह नहीं है कि फल, आलू, साबूदाना, कुट्टू या सिंघाड़े के आटे से बनी चीजों का असीमित मात्रा में सेवन किया जाए। इन खाद्य पदार्थों में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, जिससे ज्यादा खाने पर



ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है। इसलिए इनका सेवन सीमित मात्रा में करें और अपने भोजन में प्रोटीन व फाइबर से भरपूर चीजों को भी शामिल करें।

डॉक्टर की सलाह के बिना लंबे समय तक भूखे न रहें

लंबे समय तक कुछ न खाने से ब्लड शुगर का लेवल बहुत कम होने यानी हाइपोग्लाइसीमिया का खतरा बढ़ सकता है। यह जोखिम विशेष रूप से उन लोगों में अधिक होता है, जो इंसुलिन या ऐसी डायबिटीज की दवाइयां लेते हैं जिनसे ब्लड शुगर कम हो सकता है। व्रत रखने से पहले अपने एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें। टाइप-1 डायबिटीज, बार-बार ब्लड शुगर कम होने, अनियंत्रित डायबिटीज या डायबिटीज से जुड़ी अन्य खतरों से पीड़ित लोगों को व्रत के दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

ब्लड शुगर की नियमित जांच करें

व्रत के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा बार ब्लड शुगर की जांच करें, खासकर यदि आप इंसुलिन या ऐसी दवाइयां लेते हैं जिनसे शुगर कम होने का खतरा रहता है। पसीना आना, हाथ कांपना, चक्कर आना, दिल की धड़कन तेज होना, बहुत ज्यादा भूख लगना या भ्रम की स्थिति जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

यदि ब्लड शुगर का लेवल 70 mg/dL से कम हो जाए, तो डॉक्टर द्वारा बताए गए उपचार का पालन करें। आमतौर पर इसके लिए 15 ग्राम तेजी से असर करने वाले कार्बोहाइड्रेट का सेवन किया जाता है और 15 मिनट बाद दोबारा ब्लड शुगर की जांच की जाती है।

शरीर में पानी की कमी न होने दें

यदि डॉक्टर ने तरल पदार्थों के सेवन पर कोई पाबंदी नहीं लगाई है, तो व्रत के दौरान जब भी भोजन या पानी लेने की अनुमति हो, तो पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। एनर्जी के लिए मीठे फलों के जूस, शरबत या अधिक मीठी लस्सी पर निर्भर न रहें, क्योंकि इनसे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है।

दवाइयों में अपनी मर्जी से बदलाव न करें

डॉक्टर की सलाह के बिना इंसुलिन या डायबिटीज की दवाइयों की खुराक कम न करें, उन्हें छोड़ें नहीं और न ही उनके समय में बदलाव करें। व्रत के दौरान खान-पान और ब्लड शुगर के लेवल को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर आपकी दवाइयों की खुराक में जरूरी बदलाव कर सकते हैं।

व्रत खोलते समय सावधानी बरतें

लंबे समय तक भूखे रहने के बाद एक साथ बहुत अधिक खाना न खाएं। व्रत खोलते समय संतुलित आहार लें और अधिक कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें एक ही बार में ज्यादा मात्रा में खाने से बचें। सबसे जरूरी बात यह है कि व्रत के कारण सेहत से समझौता न करें। यदि बहुत ज्यादा भूख या प्यास लगने, ब्लड शुगर कम या अधिक होने, उल्टी, अत्यधिक कमजोरी या चक्कर आने जैसे लक्षण महसूस हों, तो तुरंत व्रत तोड़ दें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

बुधवार 14 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

मिट्टी बांध बना किसानों का सहारा, खरीफ सीजन में मिली राहत

सूरजपुर। जिले के जनपद पंचायत ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत चबदा में विकसित भारत – जी राम जी योजना के तहत निर्मित मिट्टी बांध ने वर्षा जल को सहेजकर किसानों को खरीफ सीजन में धान की फसल के लिए पानी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्राम चबदा के किसान राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले गांव में पानी रोकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खेती-किसानी पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहती थी।

लेकिन गांव में मिट्टी बांध बनने के बाद इस वर्ष खरीफ सीजन में किसानों को काफी सहूलियत मिली। मानसून के दौरान बांध में एकत्रित वर्षा जल का उपयोग आसपास के किसानों ने अपने खेतों में किया। इससे धान की रोपाई के समय पानी की जरूरत पूरी करने में मदद मिली और किसानों को पहले की तुलना में आसानी हुई हे। ग्राम चबदा में निर्मित मिट्टी बांध ने इस वर्ष वर्षा जल संरक्षण की उपयोगिता को साबित किया है। बारिश के दौरान बांध में ठहरे पानी का उपयोग किसानों ने जरूरत के अनुसार कृषि कार्यों में किया। इससे विशेषकर धान की रोपाई के दौरान पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिली। राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले बारिश में देरी होने पर किसानों को खेती के काम में पिछड़ने की चिंता रहती थी।

मुख्यमंत्री ने की मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा

भविष्य की जरूरतों और आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप हो अधोसंरचना का निर्माण : विष्णुदेव साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मजबूत अधोसंरचना किसी भी राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार होती है। छत्तीसगढ़ में सड़क, भवन और अन्य सार्वजनिक अधोसंरचनाओं का निर्माण केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की जरूरतों, बढ़ती आबादी, औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों और बदलती तकनीक को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। राज्य में होने वाले प्रत्येक पूंजीगत निवेश का अधिकतम लाभ प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों तक पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

बैठक में अधोसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय की प्राथमिकताएं, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, सड़क नेटवर्क का दीर्घकालिक विकास, सार्वजनिक परिसंपत्तियों का रखरखाव, आधुनिक निर्माण तकनीक, विभागीय समन्वय और आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'अंजोर विजन 2047' के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आधुनिक, सुदृढ़ और टिकाऊ अधोसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए पूंजीगत व्यय करने वाले सभी विभागों को अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए समन्वित और दीर्घकालिक कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अधोसंरचना पर किया जाने वाला व्यय केवल निर्माण पर होने वाला खर्च नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य में किया गया निवेश है। इसलिए परियोजनाओं का चयन करते समय यह आकलन किया जाना चाहिए कि संबंधित परियोजना से आवागमन, उद्योग, व्यापार, कृषि, पर्यटन, रोजगार और नागरिक सुविधाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के वित्तीय संसाधनों का उपयोग ऐसी परियोजनाओं में प्राथमिकता से किया जाए, जिनसे अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ मिले, आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो और संबंधित क्षेत्र के विकास की नई संभावनाएं खुलें। परियोजनाओं की प्राथमिकता केवल तात्कालिक आवश्यकता के आधार पर तय न होकर उनके दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के आधार पर भी निर्धारित की जाए।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी परियोजना के लिए बजट प्रावधान हो जाने मात्र से उद्देश्य पूरा नहीं होता। बजट में स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना को धरातल पर समय से पूरा करना सबसे महत्वपूर्ण है। परियोजनाओं में देरी से उनकी लागत बढ़ती है और नागरिकों को मिलने वाला लाभ भी विलंबित होता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना की अवधारणा और योजना तैयार करने से लेकर बजट प्रावधान, प्रशासकीय स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति, निविदा प्रक्रिया, कार्यादेश और निर्माण पूर्ण होने तक प्रत्येक चरण के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। प्रत्येक स्तर पर प्रगति की नियमित समीक्षा हो और अनावश्यक विलंब के कारणों को समय रहते दूर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि समयबद्धता के साथ गुणवत्ता भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर समझौता न हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में सड़क नेटवर्क के सुनियोजित विस्तार की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को राज्यभर में यातायात की मौजूदा स्थिति, बढ़ती आबादी, औद्योगिक विकास, नए आर्थिक केंद्रों और भविष्य में संभावित यातायात दबाव का आकलन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किन मार्गों को दो लेन और किन मार्गों को चार लेन करने की आवश्यकता है, इसका विस्तृत सर्वे कराया जाए। इसके आधार पर भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सड़क नेटवर्क का दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क केवल यात्रा को सुगम नहीं बनाता, बल्कि बाजारों तक पहुंच आसान करता है, व्यापार और उद्योग को गति देता है, कृषि उत्पादों के परिवहन को बेहतर बनाता है और नए क्षेत्रों में निवेश एवं रोजगार की संभावनाएं भी पैदा करता है। इसलिए सड़क निर्माण को संबंधित क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों, शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों और प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच निर्बाध और बेहतर कनेक्टिविटी विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सड़कों, भवनों और अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों के नियमित रखरखाव के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक अधोसंरचना के निर्माण पर बड़ी राशि खर्च की जाती है। यदि उसका समय पर रखरखाव नहीं किया जाए तो छोटी खराबियां आगे चलकर गंभीर रूप ले लेती हैं और उनकी मरम्मत पर अधिक खर्च करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि निर्माण परियोजनाओं की योजना बनाते समय ही उनके दीर्घकालिक रखरखाव की व्यवस्था भी तय की जाए। नियमित निरीक्षण और समयबद्ध मरम्मत के लिए स्पष्ट कार्यप्रणाली विकसित हो। इससे परिसंपत्तियों की कार्यशील आयु बढ़ेगी, सरकारी संसाधनों की बचत होगी और नागरिकों को लगातार बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क और सार्वजनिक सुविधाओं की स्थिति का नागरिकों के दैनिक जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने भोरमदेव शक्कर कारखाने का किया निरीक्षण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों और शक्कर उत्पादन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारखाने की मशीनरी, गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन और रखरखाव कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कारखाने में लगी मशीनों का अवलोकन किया और गन्ने से शक्कर तैयार करने की पूरी प्रक्रिया को समझा।

उन्होंने अधिकारियों से गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन की स्थिति और कारखाने की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, कारखाने में चल रहे रखरखाव



(मेंटेनेंस) कार्यों का जायजा लेते हुए इन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी पेराई सत्र के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कारखाना परिसर में उन्नत गन्ना प्रजातियों के प्रदर्शन प्लॉट्स का अवलोकन किया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से जिले के गन्ना किसानों को इन प्रदर्शन प्लॉट्स का भ्रमण कराने तथा उन्नत गन्ना प्रजातियों और आधुनिक खेती की तकनीकों के प्रति प्रेरित एवं जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी देकर गन्ने की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि किसान इन तकनीकों को अपनाकर लाभान्वित हो सकें।

घठुला छोटे में फ्लाई ऐश भराव पूरी तरह नियमानुसार : अदाणी पॉवर

रायगढ़ (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के ग्राम घठुला छोटे में फ्लाई ऐश भराव को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच बड़े भंडार स्थित अदाणी पावर लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि संबंधित कार्य सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं पर्यावरणीय अनुमतियां प्राप्त करने के बाद निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जा रहा है। कंपनी ने नियमों के उल्लंघन संबंधी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि पर्यावरण संरक्षण, किसानों की भूमि की सुरक्षा और विभागीय दिशा-निर्देशों का अनुपालन उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

कंपनी के अनुसार, फ्लाई ऐश भराव की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पहले संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त की गई थीं। कार्य के प्रत्येक चरण में निर्धारित शर्तों का पालन किया जा रहा है। अदाणी पावर ने कहा कि अनुमति और कार्यप्रणाली को लेकर



प्रसारित की जा रही कुछ जानकारियां वास्तविक तथ्यों से मेल नहीं खातीं।

कंपनी ने आशंका व्यक्त की है कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक जानकारियाँ प्रसारित कर अनावश्यक विवाद उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों के पीछे दबाव बनाकर अवैध वसूली करने की मंशा होने की संभावना से भी कंपनी ने इनकार नहीं किया है। अदाणी पावर के मुताबिक, ग्राम घठुला छोटे में प्रस्तावित कार्य की शुरुआत में केवल आवागमन के लिए रास्ता तैयार किया गया था। इसी दौरान, प्राकृतिक आपदा के कारण कार्य प्रभावित हुआ, जिसके चलते आगे की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी। परिस्थितियाँ सामान्य होने के बाद पर्यावरण विभाग की टीम ने संबंधित स्थल का पुनः निरीक्षण किया और आगे के कार्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कंपनी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त सभी निर्देशों का पालन किया जा रहा है। फ्लाई ऐश भराव का शेष कार्य भी संबंधित विभाग की शर्तों और निर्धारित पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप ही किया जाएगा। किसानों की भूमि की सुरक्षा को लेकर अदाणी पावर ने विशेष रूप से स्पष्ट किया है कि भराव स्थल के चारों ओर मजबूत मेड़ बनाई गई है, ताकि फ्लाई ऐश आसपास के खेतों तक न पहुँच सके। कंपनी का दावा है कि अब तक किसी भी किसान के खेत में फ्लाई ऐश नहीं पहुँचा है और मौके पर हुए निरीक्षण में भी इसकी पुष्टि हुई है।

वेदांता के बाल्को मेडिकल सेंटर ने ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए टेक्नोलॉजी की पहुँच बढ़ाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर, भारत के प्रमुख मेटल्स, तेल और गैस, क्रिटिकल मिनरल्स, पावर और टेक्नोलॉजी समूह वेदांता ग्रुप ने ब्रेस्ट कैंसर की समय रहते पहचान और इलाज को बेहतर बनाने के लिए दो साझेदारियों की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में स्थित देश के प्रमुख कैंसर अस्पतालों में से एक, वेदांता के प्रमुख बाल्को मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने स्विट्जरलैंड स्थित गैर-लाभकारी संस्था द डियर (DEAR) फाउंडेशन और ट्रांसलेशनल एआई फॉर नेटवर्क्ड यूनिवर्सल हेल्थकेयर (टीएएनयूएच) फाउंडेशन के साथ दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन साझेदारियों का उद्देश्य ब्रेस्ट हेल्थ के लिए नए और टेक्नोलॉजी आधारित तरीकों को बढ़ावा देना और ब्रेस्ट कैंसर की समय पर पहचान, सही समय पर जांच और इलाज को संभव बनाना है।

द डियर फाउंडेशन के साथ साझेदारी के तहत, बीएमसी संसाधनों की कमी वाले क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने और खुद से जांच करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए डियर यू (Dear You) नाम के एक मुफ्त ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा। यह ऐप हिंदी सहित 11 भाषाओं में ब्रेस्ट की जाँच करने के लिए चरण-दर-चरण जानकारी



देता है और नियमित रूप से खुद जांच करने के लिए रिमाइंडर भी भेजता है। इसके अलावा, बीएमसी और आईआईएससी बेंगलुरु में स्थित टीएएनयूएच फाउंडेशन मिलकर एआई आधारित एक स्क्रीनिंग टूल विकसित करेंगे। टीएएनयूएच फाउंडेशन, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित हेल्थकेयर क्षेत्र में एआई का उत्कृष्टता केंद्र है। यह टूल ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम का आकलन करेगा और उन महिलाओं की पहचान करने में मदद करेगा, जिन्हें आगे मैमोग्राफी जाँच की जरूरत हो सकती है। बीएमसी इस टूल को विकसित करने के लिए क्लिनिकल और मैमोग्राफी से जुड़ा डेटा उपलब्ध कराएगा। इस दौरान मरीजों की गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य भारतीय महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार स्क्रीनिंग मॉडल विकसित करना है, ताकि ब्रेस्ट कैंसर की जल्दी पहचान हो सके और जांच का खर्च कम किया जा सके।

भारत में ब्रेस्ट कैंसर के 60% से अधिक मामलों का पता कथित तौर पर स्टेज III या IV में चलता है। ऐसे में, इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय रहते इसकी पहचान करना बेहद जरूरी है। भारत में ब्रेस्ट कैंसर से निपटने के प्रयासों के बीच ये दोनों साझेदारियाँ अहम् समय पर हुई हैं। आज ब्रेस्ट कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, फिर भी कई मामलों में इसकी पहचान देर से होती है।

छत्तीसगढ़ में वेदांता का बाल्को मेडिकल सेंटर (बीएमसी) इस दिशा में अहम् योगदान दे रहा है। अपनी दो नई साझेदारियों के अलावा, बीएमसी अपने कॉम्प्रिहेंसिव ब्रेस्ट हेल्थ क्लिनिक के जरिए कैंसर का सुलभ और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। महिलाओं की एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम की अगुवाई में चलने वाला यह क्लिनिक मरीजों को देखभाल के हर चरण में मदद करता है- ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती पहचान और जांच से लेकर इलाज और रिकवरी तक।

इस पहल का असर रायपुर की 39 वर्षीय दीपिका कन्नोजे जैसी मरीजों के अनुभवों में देखने को मिलता है। ब्रेस्ट में गांठ का पता चलने के बाद उन्होंने बीएमसी में कीमोथेरेपी, सर्जरी, रेडिएशन और रिहैबिलिटेशन कराया। लिम्फ नोड्स की सर्जरी के बाद लिम्फोएडेमा (लिम्फ तरल जमा होने से सूजन) का खतरा कम करने के लिए उनकी एक विशेष लिम्फा (LYMPHA) प्रक्रिया भी की गई।

इसी तरह, राजेश्वरी जायसवाल को 22 साल की उम्र में, जब वह एलएलबी की पढ़ाई कर रही थीं, ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। बीएमसी में कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, सर्जरी और रेडिएशन कराने के बाद उन्होंने अपनी डिग्री पूरी की। आज वह बिलासपुर हाई कोर्ट में वकील के रूप में प्रैक्टिस कर रही हैं और नियमित रूप से फॉलो-अप जांच भी कराती हैं।

बाल्को मेडिकल सेंटर (बीएमसी), वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की एक प्रमुख पहल है। यह 170 बेड वाला आधुनिक कैंसर अस्पताल है, जहाँ कैंसर का व्यापक इलाज और उससे जुड़ी सेवाएँ उपलब्ध हैं।

वृक्षों के पातन और लॉगिंग पर आयोजित हुई वर्कशॉप



वन विकास निगम ने कवर्धा में मैदानी अमले को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा काष्ठ निष्कासन में गुणवत्ता बढ़ाने, वन संरक्षण और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा के सिंगपुर बीट में एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में मैदानी अमले को वृक्षों के वैज्ञानिक पातन (वृक्ष कटाई) और लगुण (लट्ठे तैयार करने) की उन्नत तकनीकों का जंगल में प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में बाजार की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण काष्ठ तैयार करने और निगम का राजस्व बढ़ाने के लिए निर्धारित लॉगिंग प्लान का शत-प्रतिशत पालन करने पर जोर दिया गया। मैदानी अमले को काष्ठ की लंबाई और निर्धारित श्रेणी के अनुसार कटाई एवं छंटाई करने की तकनीकी जानकारी दी गई, ताकि उपलब्ध काष्ठ का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण के दौरान वृक्षों की कटाई में श्रमिकों की सुरक्षा के साथ आसपास के छोटे पौधों और प्राकृतिक पुनरुत्पादन को नुकसान से बचाने के उपाय बताए गए। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अमरनाथ प्रसाद के निर्देशन में यह कार्यशाला आयोजित हुई। क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री राम अवतार दुबे, मंडल प्रबंधक श्री राम कुमार सिदार सहित अन्य अधिकारी, कूप प्रभारी और मैदानी श्रमिक शामिल हुए।

:- संपादकीय :-

प्राथमिकता का प्रश्न है

हालिया अनुभवों है कि ओलिंपिक आयोजन मेजबान देश में जितना उल्लास एवं गर्व का भाव भरते हैं, उससे कहीं अधिक ये विवादों से घिरते रहे हैं। ओलिंपिक्स अपने पीछे अक्सर कई गंभीर समस्याएं छोड़ जाते हैं।अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने पुष्टि कर दी है कि भारत 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावा पेश करने वाले देशों में शामिल है। इसके अलावा कतर, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, हंगरी, तुर्किये और दक्षिण कोरिया ने भी अपना दावा रखा है। इनमें आईओसी किन्हें सक्षम दावेदार मानती है, उसकी सूची वह मार्च 2027 में जारी करेगी। फिर उस सूची में शामिल देशों के साथ उसकी वार्ता होगी। आईओसी के मुताबिक फैसला धन जुटाने की क्षमता और खेल के लिए मौजूद राजनीतिक एवं जन समर्थन की कसौटी पर होगा। 2028 के मध्य में आईओसी 2036 के मेजबान की अपनी प्राथमिकता सूची जारी करेगी। 2029 के मध्य तक अंतिम निर्णय का एलान किया जाएगा।भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य के प्रमुख शहर अहमदाबाद में ओलिंपिक्स आयोजन का इरादा जताया है। नीता अंबानी भारत के दावेदारी अभियान का नेतृत्व कर रही हैं। इसलिए राजनीतिक समर्थन और फंडिंग क्षमता को लेकर शायद ही कोई संदेह उठे। जन समर्थन का मुद्दा पेचीदा है, जिस पर अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा। हालिया अनुभवों पर गौर करें, तो ओलिंपिक आयोजन अब मेजबान देश में जितना उत्सव एवं गर्व का भाव भरते हैं, उससे कहीं अधिक ये विवादों से घिरते रहे हैं। इसकी बड़ी वजह है कि मेजबानी अपने पीछे अक्सर शहर और देश पर भारी आर्थिक बोझ, कर्ज संकट, और रखरखाव के लिए बेकार पड़े महंगे स्टेडियम (सफेद हाथी) जैसी गंभीर समस्याएं छोड़ जाती है।2004 में ग्रीस और 2026 में ब्राजील में इस आयोजन के कारण नागरिक सेवाओं के बजट में कटौती करनी पड़ी थी। 2020 में टोक्यो ओलिंपिक के आयोजन का कुल खर्च शुरूआती बजट से दोगुने से भी ज्यादा हो गया। उससे सबक लेकर 2024 में पेरिस में मौजूदा और अस्थायी इन्फ्रास्ट्रक्चर के उपयोग की रणनीति अपनाई गई। फिर भी खर्च अनुमानित बजट से कई अरब यूरो ऊपर चला गया। निर्माण कार्यों के लिए गरीबों का होने वाला विस्थापन हर जगह एक अलग समस्या रही है। जब धनी देशों की भी यही कहानी है, तो सवाल है कि क्या भारत जैसे विकासशील देश को ऐसे आयोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए?

पर्यटन के जरिए ग्रामीण सशक्तिकरण विष्णु देव साय सरकार की अनूठी पहल

- धनंजय राठौर
(संयुक्त संचालक जनसंपर्क)

पुरस्कार और प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य सरकार की होमस्टे नीति इस पूरे ढांचे को व्यावहारिक धरातल प्रदान कर रही है। अब पर्यटक महंगे होटलों की बजाय गांवों में पारंपरिक घरों का अनुभव कर सकेंगे। पर्यटक गांव के ही घरों में रुकेंगे। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर और समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है। पर्यटकों को ग्रामीणों के घरों में ठहरने, उनका पारंपरिक भोजन करने, चारपाई का उपयोग करने, खेत-खलिहान घूमने और कुएं का पानी आदि देखने-अनुभव करने का अवसर मिलता है। छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत पर्यटन, मनोरंजन और अन्य सामाजिक सेवा सेक्टर को विशेष रूप से शामिल किया गया है। पर्यटन परियोजनाओं को सामान्य उद्योगों की तरह ही न्यूनतम पूंजी निवेश पर विभिन्न प्रकार की रियायतें और सुविधाएं दी जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग की अपार संभावनाएं हैं।



छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। छत्तीसगढ़ का बस्तर, पर्यटन के नक्शे पर अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पयर्टन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है।जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीतितैयारछत्तीसगढ़ अब अपनी माटी की खुशबू, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और गांवों के नैसर्गिक सौंदर्य के दम पर देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर छाने को तैयार है। राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति (2024-2030) में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति तैयार की है। इसी कड़ी में अब ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारइ की शुरूआत की गई है। इन तीनों निर्णयों से गांवों में रोजगार, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह त्रिआयामी मॉडल पर्यटन को स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करेगा।विश्व प्रसिद्ध बस्तर का दशहरा - बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं।बस्तर के सहज जीवन से वैश्विक पहचान तक-बस्तर के बालक 'चेन्दरू मंडावी की बाघ 'टेंबू के साथ दोस्ती ने कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के सहज ग्रामीण जीवन का डंका बजाया था। उसी नाम से राज्य सरकार ने 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारइ की शुरूआत की है। इसके लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम 2025 लागू किया गया हैजो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होगा। इस पुरस्कार के तहत ग्रामीण पर्यटन, लोककला, हस्तशिल्प और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में लगे जमीनी नायकों या संस्थाओं को 1 लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय ज्यूरी इसका चयन करेगी और विजेता को राज्योत्सव के मंच पर सम्मानित कर उन पर एक सचित्र स्मारिका जारी की जाएगी।बस्तर के 'टाइगर बॉय' के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरूआत- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'चेन्दरू' राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरूआत की गई है। यह पुरस्कार बस्तर के 'टाइगर बॉय' के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में शुरू किया गया है, जिन्होंने स्वीडिश फिल्म 'जंगल सागा' से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी। गांवों की संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को पर्यटन से जोड?ा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना। 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कारइ उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। होमस्टे के जरिए पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा- होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से ग्रामीण, जनजातीय और पर्यटन क्षेत्रों के परिवारों को अपने घरों को पर्यटन सुविधा में बदलकर अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। वहीं, पर्यटकों को स्थानीय खान-पान, कला, परंपरा, जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को भी नई पहचान मिलेगी।

राज्य सरकार द्वारा नए होमस्टे की स्थापना तथा मौजूदा मकानों के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता के साथ संचालकों को आतिथ्य, स्वच्छता और व्यवसाय संचालन का प्रशिक्षण देने का प्रावधान भी इस नीति में किया गया है। इससे मिलने वाला पैसा सीधे ग्रामीण परिवार, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों की जेब में जाएगा।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढि?ा रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेंगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलते लाभ होगा। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई और बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।\

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉर्मेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज कोई जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगे, पिताजी आपसे बहुत खुश होंगे। इस राशि के जो लोग मूर्ति बनाने के काम से जुड़े हैं, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आज हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज आपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बनाकर खिला सकती हैं। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आज ध्यान रखने की जरूरत है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बिताएंगे। पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने में बड़े बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगाएंगे, इससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते हैं, वे सोशल मीडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ सकती है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें, जब उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उन्हें भली भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किए गए छोटे मोटे कार्यों से सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही, लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनाए रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखूबी निभाएंगे। आज अपने दोस्त के किसी काम में सहयोग करेंगे। जो लोग प्रॉपर्टी डीलर हैं, उनका काम अच्छा चलेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा। छात्रों को आज किसी प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। मां दुर्गा की आरती करें, सेहत पहले से बेहतर होगी।

सू- दोकू क्र.188

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.187 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

नजरिया | रामदास अठावले

कानूनों में संशोधन से बढ़ा संरक्षण का दायरा

एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस विश्वास पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा, समानता और सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सके।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए इस संवैधानिक प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी तथा संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया है।

इसके तहत कानूनों में संशोधन, राहत एवं पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था, विशेष न्यायालयों की स्थापना, शिकायत निवारण तंत्र और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने जैसे कदम उठाए गए हैं।इस व्यवस्था का प्रमुख आधार नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 हैं। इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर संशोधन किए गए हैं, ताकि जाति आधारित अत्याचारों पर अंकुश लगाया जा सके और पीड़ितों को न्याय, राहत तथा पुनर्वास उपलब्ध कराया जा सके।



अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में 26 जनवरी 2016 से प्रभावी संशोधनों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए। इनका उद्देश्य अत्याचार से जुड़े मामलों की सुनवाई में तेजी लाना और पीड़ित समुदायों को उपलब्ध कानूनी संरक्षण का विस्तार करना था।संशोधनों के तहत मामलों की सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना तथा विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया। साथ ही, अत्याचार के कई नए प्रकारों को कानून के दायरे में शामिल किया गया। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के अधिकारों से संबंधित प्रावधानों को भी अधिक प्रभावी बनाया गया।इन बदलावों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि न्याय की प्रक्रिया केवल प्राथमिकी दर्ज करने और मुकदमे की सुनवाई तक सीमित न रहे, बल्कि पीड़ितों की सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वास को भी समान महत्व मिले।इसके बाद 14 अप्रैल 2016 को अधिनियम से संबंधित नियमों में संशोधन किया गया। इसके तहत अत्याचार के 47 प्रकार के अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि बढ़ाई गई। साथ ही, पीड़ितों और उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में 20 अगस्त 2018 को एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इसके तहत अधिनियम के अंतर्गत अपराधों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई। इसके अतिरिक्त, कानून के तहत आरोपी की गिरफ्तारी से पहले अनुमति लेने की आवश्यकता भी हटा दी गई।इन बदलावों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रक्रियागत औपचारिकताएं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने, जांच करने और अभियोजन चलाने में बाधा न बनें।

इससे पहले 27 जून 2018 को अधिनियम से संबंधित नियमों में भी संशोधन किया गया था। इसके तहत मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, तेजाब हमले, संपत्ति को नुकसान और कानून के दायरे में आने वाले अन्य अपराधों के मामलों में राहत संबंधी प्रावधानों को मजबूत किया गया।

अत्याचार से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था विकसित की गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं।

विचार

नए शाला भवन निर्माण से अब गांव में ही मिलेगी बेहतर शिक्षा



शिक्षा किसी भी समाज के विकास की मजबूत नींव होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से बच्चों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलते हैं। इसी दिशा में महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत ग्राम छुईहा में 75.23 लाख रुपए की लागत से शासकीय हाई स्कूल भवन का निर्माण पूर्ण किया गया है। इस भवन के बनने से गांव के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध होगी। लोक निर्माण विभाग ने बताया कि ग्राम छुईहा में शासकीय हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य 3 नवंबर 2025 को प्रारंभ हुआ था, जिसे 1 सितंबर 2026 को पूर्ण कर लिया गया। जिसकी कुल लागत 75.23 लाख रुपए है।

ग्राम छुईहा में हाई स्कूल की सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए दूरस्थ अंचल स्थित ग्राम भुरकोनी एवं अन्य स्थानों के हाई स्कूलों में जाना पड़ता था। इससे विद्यार्थियों को प्रतिदिन आवागमन में परेशानी होती थी। अब गांव में ही हाई स्कूल भवन का निर्माण पूर्ण होने से विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए बेहतर स्थानीय सुविधा उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

ग्राम छुईहा के ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में सहूलियत मिलेगी। साथ ही हम अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा के लिए दूरस्थ विद्यालयों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सार्थक साबित होगा। इसके लिए उन्होंने शासन एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है।,

ज्ञानेश संकट के दौर में गणपति सुमिरन

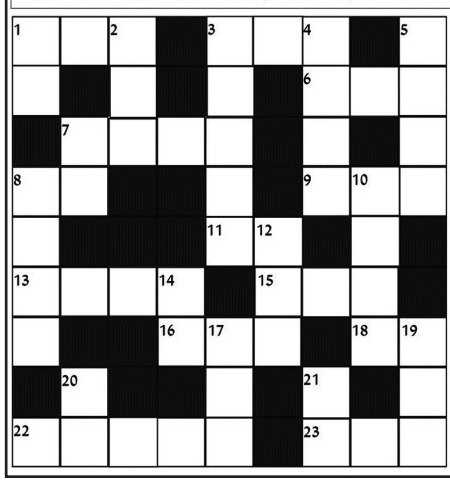
भाजपावाले कह सकते हैं कि हम कहां आपको तंग करते हैं? बरसों पहले आपको दूध पिलाया था। उसके बाद आज ही तो याद किया है।जब विपक्ष यह आरोप लगाते हुए दिल्ली से लेकर मुंबई तक बवाल काटे हुए है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव जीतने में भाजपा की मदद कर रहे हैं, तब भाजपा कह रही है कि नहीं भइया, ज्ञानेश हमारी मदद नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद तो गणेशजी कर रहे हैं। गणेश चतुर्थी अभी-अभी तो गई है और अगले वर्ष फिर आने का न्यौता देते हुए उनका विसर्जन कर भक्तजन बस घर लौटे ही हैं। लेकिन भाजपा ने साल भर इंतजार नहीं किया। वह हफ्ते-दस दिन में ही गणेशजी को फिर ले आई कि हे विघ्नहर्ता, आओ, हमारे विघ्न हरो। गणेशजी पता नहीं यह शिकायत करेंगे या नहीं कि यारो, थोड़ा तो आराम करने दो। लेकिन इस पर भाजपावाले कह सकते हैं कि हम कहां आपको तंग करते हैं? बरसों पहले आपको दूध पिलाया था। उसके बाद आज ही तो याद किया है।गणेशजी ने यह शिकायत बिल्कुल भी नहीं की कि बीच में विज्ञान कांग्रेस में मोदीजी ने हमारी सर्जरी की पुरातन परंपरा की बात करते हुए उन्हें याद क्यों नहीं किया था। कोई तो था, जिसने इंसान के सिर पर हाथी का सिर लगाकर भारतीय विज्ञान को इतनी ऊँचाई दी थी। लेकिन वह भी तो बरसों पुरानी बात हो गई।गणेशजी ने यह शिकायत भी नहीं की कि उन्हें संबित पात्रा ने क्यों याद किया। वे तो जय जगन्नाथ वाले हैं। उन्होंने जय जगन्नाथ की इतनी महिमा गाई कि कुछ दिन तो खुद मोदीजी भी जय जगन्नाथ का ही उद्घोष करते रहे, जब तक कि ओडिशा का चुनाव नहीं जीत गए।खैर, अभी तक तो यही माना जाता था कि चुनाव जीतने में रामलला ही भाजपा की मदद करते हैं। बल्कि इतनी मदद करते हैं कि जय श्रीराम का नारा लगाकर न महंगाई के लिए जवाब देने की जरूरत रहती है और न ही बेरोजगारी के लिए। संसद में ही इतना जय श्रीराम का नारा लगता है कि डर लगा रहता है कि कहीं अध्यक्षजी इसे ध्वनिमत करार देकर कोई कानून ही पारित घोषित न कर दें।विपक्षवालों को हमेशा इस बात की कुढ़न रहती है कि भाजपावाले जब चाहें, रामजी का इस्तेमाल कर लेते हैं। भाजपा उनकी इस कुढ़न का खूब मजा लेती है। कई बार तो वह विपक्षवालों को इस तरह चिढ़ाने लगती है, जैसे रामजी तो भाजपा के ही ठहरे, फिर ये लोग उन्हें भाजपा से क्यों छीनना चाहते हैं!अब उन्हें कौन समझाए कि यारो, क्यों चिंता करते हो? बेचारे विपक्षवाले तुम्हारे विधायक और सांसद तो तोड़ नहीं पाते, राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग तो करा नहीं पाते। रामजी को वे तुमसे क्या तोड़ लेंगे।खैर, इधर उन्होंने रामजी को उस तरह से बिल्कुल भी याद नहीं किया कि दुख में सुमिरन सब करें।

शब्द सामर्थ्य -188

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे
1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 187 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

लोरमी विधानसभा के भाजपा मंडल डिंडौरी की मासिक कामकाजी बैठक सम्पन्न

संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना पर हुई चर्चा

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर प्रत्येक माह आयोजित होने वाली मासिक कामकाजी बैठक के तहत भाजपा मंडल डिंडोरी की आवश्यक संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री विनय साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी रामेश्वर बंजारे, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र साहू जी तथा जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता साहू जी की प्रमुख उपस्थिति रही।





बैठक के दौरान प्रदेश मंत्री विनय साहू ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा पार्टी की रीति-नीति एवं केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने का आह्वान किया,साथ ही संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया, इसी क्रम में रामेश्वर बंजारे ने कहा की हर बूथ को सक्षम और डिजिटल बनाने की योजना पर कार्य करना है,मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने कहा सभी बूथों तक पार्टी की गतिविधियों को सक्रियता से कार्य को पहुचाने अपील की,इसी क्रम में जिलापंचायत सदस्य श्रीमती अनिता साहू,जनपद उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री माधव तिवारी एवं आभार श्री जन्मेजय जायसवाल ने किया।इस अवसर पर जवाहर दिवाकर, किसान मोर्चा अध्यक्ष उमेश लोनिया, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र केशरवानी, मंडल मंत्री विनोद यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रघुवीर साहू, उपाध्यक्ष राजाराम साहू एवं उत्तम लोनिया, महामंत्री देवराज यादव, मंत्री राजेश लोनिया सहित कमल साहू, संतराम मरावी, श्री हरिशंकर साहू, अश्विनी साहू, पवन साहू, बुधवा भास्कर, वीरेंद्र राज, हरीश साहू, प्रहलाद यादव, राधेश्याम यादव, विमल साहू, डोमन लोनिया, लोमस यादव, पप्पू ध्रुव सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

फरसा लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि पी.जी. कॉलेज ग्राउंड, कवर्धा में एक व्यक्ति अपने हाथ में गन्ना काटने वाला लोहे का धारदार फरसा लेकर लहरा रहा है तथा वहां उपस्थित लोगों एवं आने-जाने वाले राहगीरों के साथ गाली-गलौज कर उन्हें मारने की धमकी दे रहा है। इससे मौके पर उपस्थित लोगों में भय का माहौल उत्पन्न हो रहा था।

सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक लालजी सिन्हा के द्वारा पुलिस टीम मौके पर रवाना किया गया, जहां एक व्यक्ति हाथ में लोहे का धारदार फरसा लेकर लोगों को डराते-धमकाते हुए मिला। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हाफिस खान पिता याकुब खान, उम्र 24 वर्ष, निवासी आदर्श नगर, वार्ड नंबर 06, कवर्धा, थाना कवर्धा, जिला कबीरधाम बताया।

अपराध क्रमांक 466/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही। आरोपी के कब्जे से एक नग लोहे का धारदार फरसा, जिसकी मुठ सहित कुल लंबाई लगभग 18.5 इंच थी, विधिवत जप्त कर सीलबंद किया गया। आरोपी हाफिस खान के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 466/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे 12 अक्तूबर को विधिवत गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है। आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली से आम जनता परेशान : कांग्रेस

लोकतंत्र के बाद जनतंत्र और अब धर्मतंत्र की हत्या : रुपेश दुबे



राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के महामंत्री रूपेश दुबे ने निर्वाचन आयोग के तुगलकी निर्णय एस आई आर से देश की लोकतंत्र की हत्या प्रमाणित है वही देश के 13 करोड़ 37 लाख मतदाता एवं छ ग के 19 लाख 13 हजार 540 आम मतदाताओ के नाम हटाया जाना सार्वजनिक है जिससे जनतंत्र की हत्या और अब पितृ पक्ष और नवरात्र के दौरान विशेष अभियान को आयोग द्वारा अपने दुष्कृत्यों पर पर्दा डालने के साथ धार्मिक आस्था की हत्या का कृत्य बताया है।

प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि जिस प्रकार से आयोग के निर्वाचन आयुक्तों के मध्य मतभेद उजागर हुए और 10 माह में ही 14 आपत्ति दो आयुक्तों ने दर्ज कराए थे पर अधिनायकवादी मुख्य चुनाव आयुक्त ने विधिक आपत्ति को दरकिनार कर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने वाले प्रपत्र 6 में बिना लोकसभा से विधेयक पारित कराए बदलाव कर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने से रोकने के लिए एनेक्सचर डी भरने की अनिवार्यता की थी वहीं पूर्व के पात्र मतदाताओं का नाम एस आई आर से काटने का दुष्कृत्य किया जो अक्षम्य अपराध है जिसको लेकर पूरे देश के जागरूकजन आंदोलनरत है लेकिन सत्ता का दुरुपयोग कर जनआंदोलन को कुचलने का असफल प्रयास किया जा रहा है जो भारतीय लोकतंत्र के लिए घातक है।

अपने खिलाफ प्रारंभ हुए इस जनांदोलन से ध्यान भटकाने निर्वाचन आयोग ने विशेष अभियान की नौटंकी कर पितृपक्ष, नवरात्रि के पावन पर्व में जनता के धार्मिक आस्था से खिलवाड़ करने पर आमादा है साथ ही साथ आयोग ने इस अभियान से अपनी असक्षमता को प्रमाणित कर दिया कि जिस एस आई आर से मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित का आधार बताया था वह पूरी तरह से फ्लॉफ साबित हुआ है एस आई आर के दौरान प्रपत्र 7 का दुरुपयोग कर भाजपा के लोग सीधे तहसील कार्यालय में नाम कटवाने का आवेदन दिए कांग्रेस ने इस पर शिकायत दर्ज कराया पर कोई कार्यवाही नहीं हुई जिसके चलते ही बड़ी संख्या में पात्र मतदाता के नाम हटाए गए अब अपने फर्जीवाड़ा को ठीक करने के लिए 5 से 31 अक्टूबर की तिथि तय की गई है जो पितृ पक्ष और नवरात्र पर्व का समय है अब जनता इस दुविधा में है कि पितरों का श्राद्ध करे नवरात्र कि पूजा करे या बूथों में 4 बुधवार और 4 गुरुवार को लाइन लगाकर मात्र 8 दिन में अपना नाम वोटर लिस्ट में खोजे त्रुटि सुधार करवाए या नाम जुड़वाए ।

राजनांदगांव में 25 को निकलेगी संवैधानिक आरक्षण बचाओ रैली 2.0, बैठक संपन्न

अधिकार चर्चा, महारैली एवं रोजगार मार्गदर्शन के जरिए सामाजिक न्याय और आरक्षण के मुद्दों को उठाएगा जेन-जी युवा वर्ग

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय संविधान में प्रदत्त सामाजिक न्याय, समान अवसर, प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण व्यवस्था की रक्षा तथा संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर 25 अक्टूबर 2026 को राजनांदगांव में संवैधानिक आरक्षण बचाओ रैली 2.0 का आयोजन किया जाएगा। जेन-जी युवा वर्ग, छत्तीसगढ़ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकार चर्चा, महारैली एवं रोजगार मार्गदर्शन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक और संवैधानिक मुद्दों को उठाया जाएगा।



आयोजकों के अनुसार, रैली रविवार को सुबह 11 बजे ईमाम चौक, ओवरब्रिज के नीचे से शुरू होगी। इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सहित विभिन्न वर्गों के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व और आजीविका से जुड़े विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाना है।

आयोजन से जुड़े मांगपत्र में पदोन्नति में आरक्षण, विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती, बैकलॉग पदों को भरने, आरक्षण रोस्टर के पालन तथा सरकारी सेवाओं में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए छात्रवृत्ति और छात्रावास की राशि समय पर उपलब्ध कराने तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसर बढ़ाने की मांग भी रखी गई है।

मांगपत्र में आउटसोर्सिंग, संविदा एवं बैकलॉग भर्ती के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था को कमजोर होने से रोकने, निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों और सामाजिक प्रतिनिधित्व से जुड़े विषयों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। इसके अलावा स्थानीय स्वशासन में संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने, युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

आयोजकों ने सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए युवाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों से एकजुट होने की अपील की है। रैली के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था से संबंधित मांगों को व्यापक स्तर पर सामने लाने और शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा।

नवरात्रि पर्व पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कबीरधाम पुलिस अलर्ट

जुआ खेलते 3 आरोपी गिरफ्तार, नगद रकम एवं 52 पत्ती ताश पुलिस टीम ने किया जप्त

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नवरात्रि पर्व के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कबीरधाम पुलिस द्वारा सतर्कता के साथ प्रभावी पुलिसिंग की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, असामाजिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य में दिनांक 10 से 12 अक्टूबर तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जुआ प्रतिषेध एवं आबकारी अधिनियम के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।



जुआ खेलते 03 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही

थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम महली, कबराटोला खार रोड पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से हार-जीत का जुआ खेलते पाए जाने पर शिवा साहू, अजय साहू एवं छोटू साहू के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध क्रमांक 171/26 दर्ज किया गया। प्रकरण में नगद रकम 1400/- रुपये एवं 52 पत्ती ताश जप्त की गई, साथ ही जुआरियों के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

थाना पंडरिया क्षेत्र में सामुदायिक भवन के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर भगवानदास बंजारे एवं अर्जुन जांगड़े के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36(च)(1) के तहत अपराध क्रमांक 213/26 एवं 214/26 दर्ज किए गए।

थाना कवर्धा क्षेत्र में पुराना बस स्टैंड पर सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर हर्ष राव के विरुद्ध अपराध क्रमांक 464/26 तथा राजनांदगांव बायपास पर सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर प्रहलाद निषाद के विरुद्ध अपराध क्रमांक 467/26 दर्ज किया गया। दोनों प्रकरणों में आबकारी अधिनियम की धारा 36(च)(1) के तहत कार्यवाही की गई।

लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

थाना सहसपुर लोहारा क्षेत्र के शांति नगर, ईरीमकसा तिराहा पर लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में मंगेलाल पटेल के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36(सी) के तहत अपराध क्रमांक 164/26 दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना बोडला क्षेत्र के सारंगपुर रोड स्थित दुकान पर लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में मितेश तिलकवार, हीरा यादव एवं मुकेश चंद्रवंशी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36(सी) के तहत क्रमशः अपराध क्रमांक 153/26, 154/26 एवं 155/26 दर्ज कर उचित वैधानिक कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में चौकी पोडी, थाना बोडला क्षेत्र में शराब दुकान के पास लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में अब्दुल हबीब के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36(सी) के तहत अपराध क्रमांक 156/26 दर्ज कर उचित वैधानिक कार्रवाई की गई।

नवरात्रि पर्व के दौरान सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने कबीरधाम पुलिस प्रतिबद्ध

कबीरधाम पुलिस द्वारा नवरात्रि पर्व के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशानुसार सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि या शांति व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

हमारे देश में "भारत निर्वाचन आयोग है" न कि "भारत सरकार निर्वाचन आयोग!" : पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर

शिफ्टेड - एब्सेंट मतदाताओं के नाम सार्वजनिक किये जाएं

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जब भी देश में चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उसकी संवैधानिक भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं, तो आयोग खुद जवाब देने के बजाय सरकार के प्रवक्ता सामने क्यों आते हैं? यह सवाल छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने उठाया है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, और सरकारी प्रवक्ताओं द्वारा सरकार की यह वकालत सीधे तौर पर आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर बड़े सवाल खड़े करती है।

पूर्व मंत्री ने इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि यही स्थिति आज छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल रही है, जो लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

S.I.R प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नाम विलोपित कर मतदाताओं के अधिकार को लुटा गया है।

इस राजनीतिक और संवैधानिक संकट की पृष्ठभूमि को जोड़ते हुए मोहम्मद अकबर ने राज्य में हाल ही में संपन्न हुई एसआईआर (SIR) प्रक्रिया के आंकड़ों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कुल मतों का अंतर मात्र 6 लाख 32 हजार



382 (4.04%) वोटों का था। इसके विपरीत, एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची से 24 लाख 99 हजार 823 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए—जो कि दोनों प्रमुख दलों के जीत-हार के अंतर से लगभग चार गुना है।

इनमें से 19 लाख 13 हजार 540 मतदाताओं को केवल इसलिए 'Shifted' या 'Absent' श्रेणी में चिह्नित कर सूची से बाहर कर दिया गया क्योंकि वे रोजगार, कामकाज या शिक्षा के कारण अपने पते पर तात्कालिक रूप से उपलब्ध नहीं थे। बिना व्यक्तिगत नोटिस दिए या बिना किसी ठोस कानूनी प्रक्रिया का पालन किए केवल एक दिन घर पर अनुपस्थित रहने के आधार पर नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करना गंभीर चिंता का विषय है।

मोहम्मद अकबर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची का पुनरीक्षण वास्तविक त्रुटियों को सुधारने के लिए होना चाहिए, न कि किसी पात्र नागरिक को उसके मौलिक और संवैधानिक अधिकार से बेदखल करने का षड्यंत्र बनना चाहिए। निर्वाचन आयोग को इस गंभीर विषय पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए ताकि छत्तीसगढ़ और देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER
PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE
BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 318 दिनांक 24.09.2026, 334 दिनांक 29.092026 एवं 342 दिनांक 29.09.2026 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत् अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मंडल बिलासपुर

जी- 262703945/2

अफगानिस्तान प्रीमियर लीग से पीछे हटे ओली पोप समेत 3 इंग्लिश क्रिकेटर, तालिबान विवाद बना वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान प्रीमियर लीग यानी APL शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। तालिबान शासन में महिलाओं के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इंग्लैंड के तीन क्रिकेटरों ने टूर्नामेंट के ड्राफ्ट से अपने नाम वापस ले लिए हैं। इनमें इंग्लैंड के टेस्ट स्टार ओली पोप के अलावा डेविड विली और विल स्मीड भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के फैसले ऐसे समय में आए हैं, जब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड यानी ECB की ओर से अफगानिस्तान लीग में खेलने के लिए खिलाड़ियों को अनुमति देने के मुद्दे पर बहस चल रही है।

ओली पोप हाल ही में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं और उन्होंने हाल में बोर्ड के साथ एक साल का नया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट किया है। उनका नाम APL ड्राफ्ट में शामिल होने के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों की संभावित भागीदारी को लेकर आलोचना हुई थी। इसके बाद पोप ने ड्राफ्ट से हटने का फैसला किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, ईसीबी के पुरुष क्रिकेट निदेशक रॉब की के सार्वजनिक बयान देने से पहले ही पोप यह फैसला कर चुके थे।



डेविड विली और विल स्मीड ने भी अपने नाम वापस ले लिए हैं।

तालिबान के राज में महिला खिलाड़ियों के खेलने पर पाबंदी

दरअसल, तालिबान के 2021 में दोबारा सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों और खेलों में उनकी भागीदारी पर कई तरह की पाबंदियों को लेकर इंटरनेशनल लेवल पर चिंता जताई जाती रही है। इसी मुद्दे पर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेलने का रुख अपनाया है। हालांकि, दोनों देशों की टीमें इंटरनेशनल टूर्नामेंटों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं।

ESPNCricinfo की रिपोर्ट के मुताबिक, APL में इंग्लैंड के खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर ECB के सामने कानूनी और नैतिक, दोनों तरह के सवाल हैं। बोर्ड के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने पिछले सप्ताह कहा था कि खिलाड़ियों को लीग में खेलने के लिए NOC देने के मामले में बोर्ड को गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि ब्रिटेन में रोजगार और व्यापार से जुड़े कानूनों के कारण खिलाड़ियों को खेलने से रोकना कानूनी रूप से मुश्किल हो सकता है।

ECB के मेन्स क्रिकेट निदेशक रॉब की ने भी खिलाड़ियों से इस मुद्दे पर नैतिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए फैसला लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि कानूनी रूप से खिलाड़ियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में खेलने से रोकना कठिन है और आखिरकार यह फैसला खिलाड़ियों को ही करना होगा। की ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, वह उससे सहमत नहीं हैं और व्यक्तिगत तौर पर वह इस लीग में खेलने नहीं जाते।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास, अभिषेक शर्मा को पछाड़कर जीता आईसीसी का बड़ा अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इतिहास रच दिया है। अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने सितंबर महीने का आईसीसी का बड़ा अवार्ड अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने अपने ही साथी अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के स्टार खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा है, जिन्हें आईसीसी ने इस अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया था। गिल अब तक पांच बार इसे जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। सितंबर के महीने में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज के दौरान कमाल का खेल दिखाया था।

शुभमन गिल को सितंबर महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। सितंबर से लेकर अक्टूबर तक भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज खेली गई थी। इसके पहले दो मैच सितंबर में थे और उन्हीं दो मैचों में उन्होंने गदर मचाया था। सीरीज के पहले दो मैचों में गिल ने 333 रन बना दिए थे। पहले मैच में गिल ने 110 रनों की जबरदस्त पारी खेली और इसके बाद दूसरे मैच में उन्होंने नाबाद 223 रन ठोक दिए थे। हालांकि अक्टूबर में खेले गए तीसरे मैच में वे एक ही रन बनाकर आउट हो गए थे। पहले दोनों मैच 8 विकेट से जीतकर



भारत ने सीरीज भी अपने नाम करने में सफलता हासिल की थी।

वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने गिल

टीम इंडिया के कप्तान गिल ने केवल 133 बॉल पर 223 रन बना दिए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 26 चौके और आठ छक्के आए थे। इस बीच शुभमन गिल ने केवल 62 बॉल पर अपना शतक पूरा किया था, जो कि किसी भी भारतीय कप्तान की ओर से लगाया गया सबसे तेज शतक भी था। इसके बाद उन्होंने 117 बॉल पर दोहरा शतक पूरा किया। जो दुनिया के किसी भी बल्लेबाज की ओर से लगाया गया सबसे तेज दोहरा शतक है। गिल ने अपने ही साथी ईशान किशन का रिकॉर्ड ध्वस्त किया था।

गिल अब तक पांच बार जीत चुके हैं आईसीसी का ये अवार्ड

गिल अब तक पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड जीत चुके हैं। पहली बार उन्हें जनवरी 2023 में ये अवार्ड मिला था। इसके बाद उसी साल सितंबर में फिर से उन्होंने ये अवार्ड अपने नाम किया। साल 2025 की फरवरी में गिल ने तीसरी और इसके बाद जुलाई 2025 में चौथी बार इस पुरस्कार को हासिल किया था। अब ये पांचवीं बार हो गया है। इससे पहले किसी भारतीय ने मार्च 2026 में इस अवार्ड को जीता था, तब संजू सैमसन विजेता बनकर सामने आए थे।

शेफाली वर्मा ने जीता महिलाओं का अवार्ड

इतना ही नहीं, महिलाओं का अवार्ड भी भारत ने जीता है। टीम इंडिया की स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा को सितंबर 2026 महीने के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। यह दूसरी बार है जब शेफाली ने यह अवॉर्ड जीता है, 22 साल की शेफाली ने पहली बार पिछले साल नवंबर ये अवार्ड जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग सिक्सेस के लिए किया स्क्वाड का ऐलान, ग्रीन को बनाया गया कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 ओवर के रोमांचक मुकाबलों में चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिलती है। इसी रोमांच के लिए मशहूर हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के 2026 संस्करण के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान क्रिस ग्रीन को सौंपी गई है, जबकि जैक वुड, मैक्स ब्रायंट और अनुभवी तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन जैसे खिलाड़ियों को भी सात सदस्यीय टीम में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट के ग्रुप-ए में रखा गया है, जिसमें इंग्लैंड और हांगकांग की टीम भी शामिल है। हाल ही में भारत ने भी अपनी टीम का ऐलान किया था।

बता दें, हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की कई टीमें आक्रामक क्रिकेट के जरिए खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। क्रिकेट हांगकांग के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी हांगकांग सिक्सेस 2026 में एक और रोमांचक आयाम जोड़ेगी। क्रिस ग्रीन की अगुवाई में अनुभव, ऑलराउंड क्षमता और आक्रामक खेल का मिश्रण रखने वाली टीम से हमें इस प्रतिष्ठित प्रारूप में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। उनकी मौजूदगी टूर्नामेंट के लेवल को और मजबूत करेगी और फैंस को तेज रफ्तार क्रिकेट का रोमांचक नजारा देखने को मिलेगा।

स्क्वाड में अनुभवी खिलाड़ी शुमार

क्रिस ग्रीन की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम में जैक वुड, मैक्स ब्रायंट, निक हॉब्सन, केन रिचर्डसन, एलेक्स रॉस और मैट केली शामिल हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ऐसे क्रिकेटर भी हैं, जो तेजी से रन बनाने और छोटे फॉर्मेट की जरूरतों के हिसाब से खेलने की काबिलियत रखते हैं। भारत में हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग की जिम्मेदारी फैनकोड के पास रहेगी। टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें शिरकत करेंगी, जिसमें भारत और पाकिस्तान भी शामिल हैं। 12 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है।

बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन से भिड़ने वाले रग्बी प्लेयर पर गिरी गाज, क्लब ने किया बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के क्रिकेट कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन के साथ नाइटक्लब में हुए विवाद के कारण चर्चा में आए रग्बी खिलाड़ी टोटोआ औवावा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। इंग्लैंड के रग्बी क्लब सराकेंस ने एक अन्य घटना के बाद औवावा को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने साफ किया कि उनका व्यवहार टीम से जुड़े खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों के लिए तय मानकों के अनुरूप नहीं था।

औवावा इस साल जून में लंदन के चेल्सी इलाके में स्थित रेक्स रूम्स नाइटक्लब में हुए विवाद के बाद सुर्खियों में आए थे। उस समय इंग्लैंड के क्रिकेटर बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन भी वहां मौजूद थे। रिपोर्टों के मुताबिक, औवावा ने एटकिंसन पर मुक्का चलाने की कोशिश की, लेकिन वह उन्हें नहीं लगा और पास



खड़े इंग्लैंड के सुरक्षा कर्मचारी को लग गया। इस घटना में सुरक्षा कर्मचारी को चिकित्सा सहायता की जरूरत पड़ी थी।

स्टोक्स और एटकिंसन को मैच से होना पड़ा था बाहर

इस विवाद का असर इंग्लैंड क्रिकेट टीम पर भी पड़ा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ECB ने मामले की जांच के दौरान स्टोक्स और एटकिंसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले से बाहर कर दिया था। दोनों खिलाड़ी पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत के बाद जश्न मनाने के लिए नाइटक्लब पहुंचे थे, लेकिन वहां टीम के लिए तय आधी रात के कर्फ्यू का उल्लंघन भी हुआ था।

हालांकि, ECB की जांच में दोनों खिलाड़ियों को नाइटक्लब में हुई हिंसक घटना के लिए जिम्मेदार नहीं माना गया। बोर्ड ने कहा कि स्टोक्स का झगड़े में कोई हाथ नहीं था और उन्होंने दोनों घटनाओं को होते हुए भी नहीं देखा था।

वहीं, उपलब्ध सबूतों के मुताबिक एटकिंसन पर बिना उकसावे के हमला किया गया था और उन्होंने जवाबी कार्रवाई नहीं की थी। बोर्ड ने यह भी माना कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने अनुबंध से जुड़ी कुछ शर्तों का उल्लंघन किया था। इसके लिए उन्हें लिखित चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

व्यापार

IT शेयरों में तेजी से सेंसेक्स-निफ्टी में जोरदार उछाल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलावर को हल्की सुस्ती देखने के बाद शानदार रिकवरी दर्ज की गई। आईटी सेक्टर्स के प्रमुख शेयरों में आई जोरदार लिवाली की बदौलत घरेलू शेयर बाजार के दोनों मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सत्र के दौरान बीएसई सेंसेक्स 300 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,225.42 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 90 अंक यानी 0.40 प्रतिशत का उछाल लेकर 22,453.10 के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट ब्रेथ में मिला-जुला नजर आया। शुरुआती सत्र में लगभग 1,147 शेयरों में उछाल दर्ज किया गया, जबकि 1,587 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे और 144 शेयरों के भाव



अपरिवर्तित रहे।

IT सेक्टर्स का जलवा, निफ्टी आईटी 2% से ज्यादा चढ़ा

आज के कारोबार में आईटी सेक्टर ने पूरी तेजी की कमान अपने हाथ में रखी। आईटी इंडेक्स में 2.01% की तगड़ी उछाल दर्ज की गई, जो सभी सेक्टरों में सबसे आगे रहा। दिग्गज IT शेयर एचसीएल टेक (+4.34%), टीसीएस (+4.28%), टेक महिंद्रा (+2.60%) और इंफोसिस (+1.86%) में आज तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी बैंक (+0.42%), निफ्टी पीएसयू बैंक (+0.48%), निफ्टी सर्विसेज (+0.59%), निफ्टी एफएमसीजी (+0.22%) और निफ्टी रियल्टी (+0.20%) भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। दूसरी तरफ, निफ्टी एनर्जी (-0.68%) और निफ्टी फार्मा (-0.62%) दबाव में दिखे।

आज के टॉप गेनर्स और लूजर्स

निफ्टी के प्रमुख शेयरों की बात करें तो आईटी दिग्गजों के साथ-साथ कंज्यूमर और ऑटो शेयरों में भी लिवाली दिखी। एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक (+1.34%), अडानी एंटरप्राइजेज (+1.06%), टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और हिंडाल्को प्रमुख रहे।

वहीं, मैक्स हेल्थकेयर (-1.10%), एनटीपीसी (-1.13%), पावर ग्रिड कॉर्प (-0.86%), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (BEL), महिंद्रा एंड महिंद्रा (M&M) और आइशर मोटर्स में बिकवाली का दबाव देखा गया।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया

भारतीय रुपये में 13 अक्टूबर को मजबूती देखने को मिली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से रुपये पर दबाव कम करने के लिए नए कदम उठाए जाने के बाद मुद्रा डॉलर के मुकाबले बढ़त के साथ खुली। रुपया 62 पैसे मजबूत होकर 95.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जबकि सोमवार को यह 95.78 पर बंद हुआ था।

स्पाइसजेट में सैलरी को लेकर बवाल, करीब 40 पायलटों ने उड़ान भरने से किया मना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पाइसजेट एयरलाइन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। लंबे समय से वित्तीय और परिचालन चुनौतियों से जूझ रही एयरलाइन के सामने अब वेतन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी के Q400 विमान उड़ाने वाले करीब 40 पायलटों ने बकाया सैलरी मिलने तक उड़ान भरने से इनकार कर दिया है। पायलटों के इस कदम को उनके संगठन अल्फा इंडिया का भी सपोर्ट मिला है। हालांकि, इस मामले में एयरलाइन की ओर से अभी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि स्पाइसजेट के Q400 विमान उड़ाने वाले करीब 40 पायलटों ने हाल ही में यह रुख अपनाया। उनका कहना है कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया जाता, वे उड़ान नहीं भरेंगे। हालांकि, पायलटों के वेतन का कितना पैसा बकाया है और विवाद कब से चल रहा है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 9 अक्टूबर को अपने सदस्यों और विमानन क्षेत्र से जुड़े लोगों को पत्र लिखकर पायलटों के प्रति सपोर्ट जताया। संगठन ने कहा कि वह पायलटों के साथ खड़ा है और उचित समाधान के लिए नैतिक, पेशेवर तथा जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को तैयार है। संगठन के मुताबिक, Q400 विमान उड़ाने वाले पायलट अपने अधिकारों, पेशेवर सम्मान और विमानन सुरक्षा के मानकों की रक्षा के लिए यह कदम उठा रहे हैं।

भारत की GDP ग्रोथ को लेकर IMF का बड़ा अनुमान

2026 और 2027 में 7% की रफ्तार से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की कई अर्थव्यवस्थाएं महंगे कच्चे तेल और वैश्विक अनिश्चितता के कारण दबाव का सामना कर रही हैं, लेकिन भारत की आर्थिक रफ्तार मजबूत बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारत की GDP ग्रोथ को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है। IMF के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था 2026 और 2027 में 7% की दर से बढ़ सकती है। घरेलू मांग में मजबूती और सर्विस सेक्टर की बेहतर गतिविधियों को इस बढ़ोतरी की प्रमुख वजह माना गया है।

IMF ने अक्टूबर 2026 की अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में 2026 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान जुलाई में बताए गए 6.4% से बढ़ाकर 7% कर दिया है। यानी अनुमान में 0.6 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है। अप्रैल के अनुमान के मुकाबले यह 0.5 प्रतिशत अंक अधिक है। वहीं, 2027 के लिए भी IMF ने भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7% कर दिया है। जुलाई के अनुमान के मुकाबले इसमें 0.3 प्रतिशत अंक और अप्रैल के अनुमान के मुकाबले 0.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है।

IMF के अनुसार, भारत में घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है और सर्विस सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इन कारणों से महंगे कच्चे तेल के बावजूद अर्थव्यवस्था की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है।

IMF का मानना है कि भारत की आर्थिक संभावनाएं बेहतर हुई हैं। इसके पीछे कई अहम कारण हैं:

मजबूत घरेलू बाजार: देश में खपत और मांग आर्थिक गतिविधियों को सहारा दे रही है। सर्विस सेक्टर में तेजी: सेवाओं से जुड़ी गतिविधियां विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। अनुकूल जनसांख्यिकी: भारत की युवा आबादी लंबे समय में आर्थिक विकास की संभावना बढ़ाती है।

संरचनात्मक सुधार: लगातार हो रहे आर्थिक सुधारों से विकास की क्षमता मजबूत होने की उम्मीद है। IMF के मुताबिक, भारत उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जिनकी विकास संभावनाओं को लेकर अनुमान में सुधार किया गया है। भारत के मुकाबले वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति कुछ कमजोर रहने का अनुमान है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट का पूरा फायदा उठा रहे निवेशक सितंबर में 31% बढ़ा इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश

मुंबई (एजेंसी)। इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में सितंबर में 38,306 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया जो अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये की तुलना में 31 प्रतिशत ज्यादा है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की लगातार बिकवाली के बावजूद निवेशकों ने मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित योजनाओं में पैसा लगाना जारी रखा।

SIP में आया अब तक का सबसे बड़ा निवेश

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) द्वारा सोमवार को जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, SIP के जरिए हर महीने किया जाने वाला निवेश सितंबर में अबतक के सबसे ऊंचे स्तर 32,490 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि अगस्त में ये 32,297 करोड़ रुपये था।

आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी आधारित स्कीम में सितंबर में 38,306 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। ये अप्रैल के बाद सबसे ज्यादा निवेश है। अप्रैल में इन इक्विटी स्कीम्स में 38,440 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था।



बाजार में गिरावट का पूरा फायदा उठा रहे हैं निवेशक

इन्क्रेड मनी में म्यूचुअल फंड के सीईओ नितिन अग्रवाल ने कहा कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने के बावजूद, हर गिरावट को निवेश के मौके के रूप में देखा गया, जिससे निवेश प्रवाह बढ़ा। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में रिसर्च हेड हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, "शेयर बाजार में महीने के दौरान गिरावट आने और एफपीआई की फिर से बिकवाली शुरू होने के बावजूद निवेश का मजबूत प्रवाह उत्साहजनक है।"

स्मॉल-कैप फंड में आया सबसे ज्यादा 9039 करोड़ रुपये का निवेश

इक्विटी कैटेगरी में स्मॉल कैप फंड में सबसे ज्यादा 9039 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जबकि अगस्त में ये 7973 करोड़ रुपये था। इसके बाद मिड कैप फंड में 7835 करोड़ रुपये का निवेश आया जो पिछले महीने 6989 करोड़ रुपये रहा था। इन दोनों कैटेगरी की कुल हिस्सेदारी महीने के दौरान इक्विटी में आए शुद्ध निवेश में करीब 44 प्रतिशत रही।

फ्लैक्सी कैप और लार्ज कैप में कितना आया पैसा

इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप फंड में 6702 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, लार्ज कैप फंड में 3 महीने में पहली बार 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे निवेशकों को अच्छी क्वालिटी वाली बड़ी कंपनियों के शेयरों में उचित कीमत पर निवेश का मौका मिला।

अडाणी ने मुंबई के धारावी में शुरू किया 10,432 मकानों का निर्माण

मुंबई (एजेंसी)। अडाणी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर प्रणव अडाणी ने सोमवार को 22 एकड़ की माटुंगा रेलवे साइट पर पुनर्वास आवासीय परियोजना का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही, अडाणी ग्रुप ने एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में शामिल धारावी के पात्र निवासियों के लिए 10,432 मकानों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने सोमवार को एक बयान में कहा कि धारावी रिहैबिलिटेशन प्रोजेक्ट के लिए बनाई गई विशेष उद्देश्यीय इकाई अडाणी नवभारत डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डेवलप किए जा रहे इस प्रोजेक्ट में 10 टावर शामिल होंगे। इनमें 10,432 पुनर्वास फ्लैट और 1379 कमर्शियल और इंडस्ट्रियल यूनिट होंगी। अडाणी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर प्रणव अडाणी ने कहा, "प्रत्येक परिवार एक ऐसे घर का हकदार है जहां वो सुरक्षित महसूस करे और भविष्य की योजना बना सके। हम जानते हैं कि धारावी के परिवारों के लिए इसका क्या महत्व है।

शारदीय नवरात्रि: माँ दुर्गा की आराधना से नारी शक्ति का जागरण



- श्रीमती सावित्री ठाकुर

भारतीय संस्कृति में शारदीय नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा, साधना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है। माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, धैर्य, करुणा और आत्मविश्वास अपनाने की प्रेरणा देती है। ये नौ दिन केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर की शक्ति को पहचानने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का संकल्प लेने का समय भी हैं।

नवरात्रि का प्रत्येक दिन एक विशेष संदेश लेकर आता है। माँ शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, माँ ब्रह्मचारिणी तपस्या और अनुशासन, माँ चंद्रघंटा साहस तथा माँ कूष्मांडा सृजनशीलता की प्रेरणा देती हैं। माँ स्कंदमाता वात्सल्य, माँ कात्यायनी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, माँ कालरात्रि निर्भयता, माँ महागौरी पवित्रता और माँ सिद्धिदात्री साधना की पूर्णता का संदेश देती हैं।

व्रत, ध्यान, मंत्र-जप और सेवा के माध्यम से हम मन को एकाग्र कर सकते हैं तथा अपने जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन ला सकते हैं। सच्ची साधना वही है, जो हमारे विचारों को शुद्ध करे, व्यवहार में संवेदनशीलता लाए और हमें दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करे।

माँ की आराधना और नारी शक्ति का सम्मान

भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें याद दिलाता है कि नारी में ममता और करुणा के साथ साहस, नेतृत्व और संघर्ष की अद्भुत क्षमता भी विद्यमान है। आज महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्यमिता, कृषि और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं।

नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं।

नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी सम्मान से राष्ट्र निर्माण तक: महिला एवं बाल विकास की नई दृष्टि

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और अवसरों से परिपूर्ण वातावरण तैयार करना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे विषय हमारे सामूहिक प्रयासों की प्राथमिकता हैं।

महिला सशक्तीकरण को राष्ट्र के विकास का अभिन्न अंग बनाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। सरकार की सोच महिलाओं के विकास तक सीमित न रहकर उन्हें विकास का नेतृत्वकर्ता बनाने की है।

इसी दिशा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' ऐतिहासिक पहल है, जिसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई अर्थात 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया गया। यह पहल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और निर्णय-निर्माण में उनकी भूमिका सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, सहायता और सशक्तीकरण पर केंद्रित है, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 मातृ एवं बाल पोषण को मजबूती प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पात्र गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नवरात्रि पर लें नारी सम्मान और सेवा का संकल्प

शारदीय नवरात्रि हमें सिखाती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सामर्थ्य नहीं, बल्कि उसका उपयोग सत्य, न्याय और लोककल्याण के लिए करना है। इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर देंगे, महिलाओं के योगदान का सम्मान करेंगे और जरूरतमंद बच्चों एवं महिलाओं की सहायता के लिए आगे आएँगे।

आइए, इन नौ दिनों की साधना को अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाएँ। हमारी आस्था आत्मबल बने, हमारी भक्ति सेवा का मार्ग प्रशस्त करे और हमारे संकल्प महिला सशक्तीकरण तथा बाल कल्याण को नई दिशा दें।

माँ दुर्गा से प्रार्थना है कि उनकी कृपा से प्रत्येक परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आए, प्रत्येक महिला को आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता की शक्ति मिले और प्रत्येक बेटी अपने सपनों को साकार कर सके। हम सब मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें, जहाँ नारी का सम्मान हो, बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो और समान अवसर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचें।

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय माता दी!

(लेखिका महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री हैं)

नेशनल फूड लैबोरेटरी की जाँच में लोट्टे चोको पाई का सैंपल खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा



नई दिल्ली ■ दैनन्दिनी

अक्टूबर 2026: गाजियाबाद की नेशनल फूड लैबोरेटरी (गाजियाबाद लैब) में हुई जाँच में लोट्टे इंडिया के सबसे पसंदीदा प्रोडक्ट लोट्टे चोको पाई का सैंपल तय खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है और इसे खाने के लिए पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से रेफरल फूड लैबोरेटरी के रूप में मान्यता प्राप्त नेशनल फूड लैबोरेटरी, गाजियाबाद में उसी बैच के सैंपल की जाँच की गई है, जिसके पहले के परीक्षण में कथित तौर पर मानकों पर खरा न उतरने की बात सामने आई थी। जाँच के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोट्टे इंडिया भारतीय खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने और ग्राहकों व व्यापारिक भागीदारों का भरोसा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुणवत्ता के कड़े मानकों को बनाए रखने के लिए लोट्टे इंडिया ने सैंपल की स्वतंत्र जाँच कराने के अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल किया। इसके तहत 10 अप्रैल, 2026 को बने बैच नंबर ए न ए म 1 0 डी सी 2 (NM10DC2) का सैंपल छत्तीसगढ़ के दुर्ग स्थित एफडीए ने स्वतंत्र जाँच के लिए नेशनल फूड लैबोरेटरी, गाजियाबाद भेजा। लैब में हुई जाँच में पुष्टि हुई कि लोट्टे चोको पाई खाद्य सुरक्षा से जुड़े सभी लागू मानकों पर खरा उतरता है।

इस मामले पर टिप्पणी करते हुए, लोट्टे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मिलन वाही ने कहा, "हमारे ग्राहकों की सुरक्षा और उनका भरोसा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह मामला सामने आते ही हमने तेजी से और जिम्मेदारी के साथ कदम उठाए।

जाँच पूरी होने तक एहतियात के तौर पर संबंधित बैच को बाजार से वापस मंगाने का फैसला भी लिया। हम गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और नियमों के पालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चाहते हैं कि हमारे ग्राहक पूरे भरोसे के साथ लोट्टे चोको पाई का आनंद लेते रहें। हमें अपने ग्राहकों के जश्न और खुशी के पलों का हिस्सा होने पर गर्व है। इस दौरान, उनके लगातार मिलते भरोसे और सहयोग के लिए हम दिल से आभारी हैं।"

लोट्टे इंडिया यह स्पष्ट करना चाहती है कि लोट्टे चोको पाई पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया था और न ही इसे असुरक्षित घोषित किया गया था।

कांग्रेस के दोहरे चरित्र के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन

गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा सेमरा तिराहा, जीपीएम में कांग्रेस के कथित दोहरे चरित्र के विरोध में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री राजेश नंदनी आर्मो शामिल हुईं। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची सहित जिले के भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



प्रदर्शन के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की 11 छात्राओं द्वारा मणिपुर के कांग्रेस सांसद पर लगाए गए कथित यौन दुर्व्यवहार के गंभीर आरोपों और इस मामले में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी को लेकर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारियों ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही की मांग की।

भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस के 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों को समान रूप से स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। पार्टी के सांसद पर गंभीर आरोप लगने के मामले में कांग्रेस नेतृत्व की प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए।

कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री गंगोत्री राठौर, सरिता राठौर सहित महिला मोर्चा की अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

प्रदर्शन के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा और ऐसे मामलों में राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई।

पारिवारिक हकत्याग की रजिस्ट्री में अभिलाष को मिली 46,846 रुपये की राहत, बचत की पूरी राशि बहनों को दी उपहार में

सेवा संकल्प अभियान
सेवा की कहानी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम और किफायती बनाने के लिए किए गए सुधार आम नागरिकों को आर्थिक राहत देने के साथ परिवारों की खुशियों का भी माध्यम बन रहे हैं। बलौदाबाजार जिले के श्री अभिलाष की कहानी इसकी एक मिसाल है। पारिवारिक हकत्याग की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क मात्र 500 रुपये निर्धारित होने से उन्हें 46 हजार 846 रुपये की बचत हुई। इस आर्थिक राहत से मिली खुशी को उन्होंने अनूठे अंदाज में अपनी बहनों के साथ साझा किया और बचत की पूरी राशि उन्हें उपहार स्वरूप दे दी।



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के विजन के अनुरूप वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन विभाग द्वारा नागरिक सुविधाओं के विस्तार और प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। पारिवारिक हकत्याग के दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क मात्र 500 रुपये निर्धारित करना इन्हीं जनहितैषी सुधारों में शामिल है। इन सुधारों का लाभ हितग्राहियों तक किस प्रकार पहुंच रहा है, यह जानने के लिए विभाग द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत नागरिकों से सीधे संवाद कर उनके अनुभव और सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पंजीयन विभाग से संवाद के दौरान श्री अभिलाष ने बताया कि पारिवारिक हकत्याग से संबंधित दस्तावेज का पंजीयन कराने पर उन्हें शासन द्वारा निर्धारित रियायती शुल्क का लाभ मिला। पहले जहां इस प्रक्रिया में अधिक राशि खर्च होती, वहीं अब मात्र 500 रुपये पंजीयन शुल्क लगने से उनके 46,846 रुपये बच गए। उन्होंने इस बचत को केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं रखा, बल्कि पूरी राशि अपनी बहनों को उपहार स्वरूप देकर परिवार की खुशियों को और बढ़ा दिया।

श्री अभिलाष के लिए शासन की यह पहल दोहरी खुशी लेकर आई। एक ओर संपत्ति संबंधी आवश्यक दस्तावेज का पंजीयन कम खर्च में पूरा हुआ, वहीं दूसरी ओर बचत की राशि परिवार के सदस्यों के काम आई। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया में मिली आर्थिक राहत और सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में राजनांदगांव के दक्ष चौबे का चयन, मैनपाट टाइटन्स से खेलेंगे

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में राजनांदगांव के होनहार खिलाड़ी दक्ष चौबे ने अपनी प्रतिभा के दम पर चयन हासिल कर शहर को गौरवान्वित किया है। रॉयल किड्स कॉन्वेंट के छात्र दक्ष का चयन लीग की टीम मैनपाट टाइटन्स में हुआ है। खास बात यह है कि दक्ष पूरी छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। इतनी कम उम्र में प्रदेश की इस प्रतियोगिता में स्थान बनाना उनकी प्रतिभा, मेहनत और हॉकी के प्रति समर्पण को दर्शाता है। दक्ष वर्तमान में खेलो इंडिया सेंटर राजनांदगांव में कोच शकील अहमद से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए आयोजित चयन ट्रायल में अपने खेल कौशल और प्रदर्शन के दम पर दक्ष चौबे ने मैनपाट टाइटन्स की टीम में जगह बनाई। पूरी लीग में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में उनका चयन राजनांदगांव के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। अब रायपुर में होने वाली इस लीग में उन्हें प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

दो नेशनल हॉकी प्रतियोगिताओं में कर चुके हैं प्रतिनिधित्व

दक्ष चौबे की उपलब्धियों का सफर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुका है। वे इससे पहले दो नेशनल हॉकी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इन दोनों राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी दक्ष सबसे कम उम्र के खिलाड़ी रहे थे। राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव हासिल करने के बाद अब छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में चयनित होना उनकी निरंतर प्रगति और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

खेल और पढ़ाई दोनों में अव्वल, विद्यालय के लिए गौरव

दक्ष चौबे शुरू से ही खेल और पढ़ाई, दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं। अनुशासन, मेहनत और आगे बढ़ने की लगन उनकी विशेष पहचान रही है। लॉयड किड्स कॉन्वेंट के छात्र की इस उपलब्धि से विद्यालय और परिवार में हर्ष का माहौल है। दक्ष की सफलता विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में भी प्रेरणादायक है। उनकी उपलब्धि से दूसरे विद्यार्थियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों की भागीदारी रहेगी

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की खासियत यह है कि इसमें भाग लेने वाली प्रत्येक टीम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों की भागीदारी रहेगी। ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के बीच युवा दक्ष चौबे को खेलने और उनसे सीखने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके खिलाड़ियों के साथ मैदान साझा करने से दक्ष को हॉकी की बारीकियां समझने, अपनी तकनीक निखारने और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव हासिल करने में मदद मिलेगी। इतनी कम उम्र में इस स्तर की लीग में चयनित होना उनके खेल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

21 अक्टूबर से रायपुर में होगा हॉकी लीग का आयोजन

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन 21 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रायपुर में किया जाएगा। चयन ट्रायल के बाद प्रदेश में छह टीमों का गठन किया गया है। इस लीग का उद्देश्य प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना और हॉकी को बढ़ावा देना है। मैनपाट टाइटन्स की ओर से खेलने जा रहे दक्ष चौबे से शहर के खेल प्रेमियों को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। सभी को विश्वास है कि वे अपनी प्रतिभा से टीम को मजबूती देंगे और राजनांदगांव का नाम रोशन करेंगे।

सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत से दीपक पाल की समस्या का हुआ समाधान, मिली ट्राई साइकिल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शासन की जनकल्याणकारी सेवाएं जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान में मददगार साबित हो रही हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर पंचायत खोंगापानी निवासी दिव्यांग दीपक पाल की कहानी इसका उदाहरण है। चलने-फिरने में परेशानी के कारण लंबे समय से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे दीपक पाल ने अपनी समस्या सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाई। शिकायत के बाद प्रशासन ने उनकी समस्या के निराकरण की पहल की और उन्हें ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई यह कहानी बताती है कि शिकायत निवारण व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। नगर पंचायत खोंगापानी निवासी दीपक पाल दिव्यांग होने के कारण दैनिक जीवन में आवागमन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में उन्हें परेशानी होती थी। दैनिक जरूरतों और आवश्यक कार्यों के लिए घर से बाहर निकलना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। अपनी इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराई।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **AYAPPA SWAMI INFRACON,** एक साझेदारी फर्म, जिसका मुख्य व्यवसाय स्थल **डी.डी. नगर पुलिस स्टेशन के पास, रिंग रोड नं. 01, रायपुरा चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़)** में स्थित है, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत होने का प्रस्ताव रखती है।

प्रस्तावित कंपनी का नाम **AYAPPA SWAMI INFRACON PRIVATE LIMITED** है, जो कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित किए जाने के अधीन है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त फर्म के प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकरण/परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्ति के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से निर्धारित अवधि के भीतर, नीचे उल्लिखित पते पर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

For, AYAPPA SWAMI INFRACON
वेद प्रताप सिंह
जी-1420, फुटबॉल हाउस के पास, मिलेनियम चौक, सुंदरनगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492001
ई-मेल: vedsingh85@yahoo.in
मोबाइल: 9329959000
दिनांक- 13.10.2026
स्थान- रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, धमतरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)
Phone : Office - 07722-236704, E-mail-ee-res.dhamtari@nic.in

निविदा निरस्तीकरण आदेश

क्रमांक /11/ निविदा/ग्रा.यां.से./26-27 **धमतरी, दिनांक 13/10/2026**

सूचित किया जाता है कि **कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग धमतरी** अंतर्गत कार्यालयीन निविदा सूचना क्रमांक 11 दिनांक 07.10.2026 के माध्यम से वीबी-जी राम जी एवं अन्य योजना में सामग्री सप्लाई हेतु मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की गई थी।

उक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, धमतरी
जिला-धमतरी

जी- 262703948/1

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर सूरजपुर में दौड़े 800 प्रतिभागी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित यातायात का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूरजपुर में आयोजित मैराथन में करीब 800 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राजमोहनी माता चौक से मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दोनों मंत्री स्वयं बाइक रैली में शामिल हुए और नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित वाहन चलाने की अपील की। जिला प्रशासन सूरजपुर और अपना हेल्प क्यूआर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मैराथन का समापन साधुराम सेवा कुंज में हुआ। बच्चों, युवाओं और नागरिकों ने दौड़ में भाग लेकर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 'रोड सेफ्टी अपना हेल्प क्यूआर' के लोगो का भी शुभारंभ हुआ।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सड़क सुरक्षा की शपथ स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। सड़क दुर्घटनाओं का असर केवल घायल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक हैं और उनकी भागीदारी से सुरक्षित यातायात का संदेश अधिक लोगों तक पहुंचेगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यातायात



नियमों का पालन औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। सुरक्षित यातायात की शुरुआत हर व्यक्ति को स्वयं से करनी होगी। हेलमेट पहनना, सुरक्षित गति से वाहन चलाना और नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करते रहे हैं।

मंत्री श्री जायसवाल ने सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद के लिए नागरिकों से आगे आने की अपील की। उन्होंने बताया कि पीएम राहवीर योजना के तहत दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर सहायता करने वाले पात्र व्यक्ति को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। घायलों के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत कैशलेस उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने अटल आरोग्य मंदिरों के माध्यम से दी जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी साझा की। सूरजपुर जिले में 'अपना हेल्प क्यूआर' को पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया है। एक क्यूआर कोड स्कैन करने पर नागरिक एम्बुलेंस और पुलिस को कॉल कर सकते हैं, परिजनों को सूचना भेज सकते हैं और गलत पार्किंग की स्थिति में वाहन मालिक को अलर्ट कर सकते हैं। पहल में उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी और पहचान की गोपनीयता का ध्यान रखा गया है। जिले के ब्लाइंड स्पॉट पर भी क्यूआर कोड लगाए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर नागरिक आसानी से सहायता प्राप्त कर सकें। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने 'अपना हेल्प क्यूआर' को दुर्घटना की स्थिति में जरूरतमंदों तक त्वरित और निःशुल्क सहायता पहुंचाने की दिशा में उपयोगी पहल बताया। उन्होंने नागरिकों से सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने और दुर्घटना में घायलों की मदद के लिए आगे आने का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा, जनपद अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती स्वाति सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, वनमंडलाधिकारी श्री विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।मैराथन के दौरान जनसमूह ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली।

भाजपा सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी व सपा पर साधा निशाना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भाजपा सांसद रवि किशन ने इंडी गठबंधन के विरोध-प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में भाजपा को हराने में असफल विपक्षी दल अब विरोध-प्रदर्शन के जरिए आम जनता को परेशान कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान रवि किशन ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर सड़कों को जाम करना, हिंसा करना और आम लोगों की मुश्किलें बढ़ाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विरोध लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए, ताकि आम जनता को परेशानी न हो। राहुल गांधी पर भी साधा निशानाकांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी आरोपपीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ रवि किशन ने राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि वीडियो में धक्का-मुक्की और मारपीट जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। उन्होंने राहुल गांधी के व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। भाजपा सांसद ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन के कारण सड़क जाम होने से एंबुलेंस में मरीजों को ले जाने वाले लोगों और अपने कार्यस्थल पर जाने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र देश है, जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। विपक्ष को अपनी मांगें लोकतांत्रिक तरीके से उठानी चाहिए, न कि आम लोगों की आवाजाही बाधित करनी चाहिए। भाजपा सांसद ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर हुई कथित झड़प का जिक्र करते हुए दावा किया कि वहां जूते-चप्पल चलने जैसी स्थिति बनी।



उन्होंने इस घटनाक्रम को लेकर समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर भी सवाल उठाए। हालांकि, इन घटनाओं को लेकर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। रवि किशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका मजबूत हो रही है, तो विपक्ष प्रधानमंत्री के नेतृत्व का विरोध क्यों कर रहा है।

ज्वेलरी कारोबारी से 1.88 करोड़ की ठगी:महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के सदर बाजार में ज्वेलरी कारोबारी से 1.88 करोड़ रुपए के सोने, चांदी और हीरे के गहने ठगने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। वारदात के बाद से फरार चल रही मुख्य आरोपी किरण साहू को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस मामले में शामिल दूसरी महिला योगिता अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश की जा रही है। इधर, किरण साहू की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उसके खिलाफ गुढ़ियारी थाने में भी दो लोगों ने ठगी की शिकायत की है। अब गुढ़ियारी पुलिस भी इस मामले में FIR दर्ज करने की तैयारी कर रही है। सदर बाजार में ज्वेलरी कारोबारी के साथ हुई करोड़ों की ठगी की शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सीएम हाउस के सामने युवक ने मचाया उत्पात

रायपुर,13 अक्टूबर। आज सुबह रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री आवास के सामने एक घटना के सामने आने से सनसनी फ़ैल गई । बताया जाता है,कि किसी अज्ञात शख्स ने मुख्य गेट से चंद क़दमों में कोहराम मचा दिया । उसने गाड़ियों के शीशे तोड़े और उत्पात मचाने लगा,मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों को उसे काबू में करने के लिए जमकर "हाथ-पांव" मारना पड़ा । घटना की सूचना मिलते ही,मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी को धर-दबोचा,उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की गई है । प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,शोरगुल और गोली चलने जैसी "आवाज़" सुनकर वे हैरत में पड़ गए । उन्होंने,मौके पर लाठी-भांजते पुलिसकर्मियों को जब देखा तो,उनके पैरों तले ज़मीन ख़िसक गई । घटना स्थल के करीब चाय-पान के ठेलों में सुबह-सुबह गाँधी गार्डन में सैर-सपाटा करने वाले कई लोगों ने नज़ारा देखते ही,घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी,बताया जाता है,कि मौके पर पहुंची सिविल लाइन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए,आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। लोगों के



मुताबिक,उत्पात मचा रहे शख़्स और पुलिस कर्मियों के बीच काफ़ी देर तक झूमा-झटकी होती रही,पुलिस कर्मी आरोपी शख्स को काबू में करने के लिए कड़ी मशक्कत करते देखे गए । कई लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया ।

सिविल लाइन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवांगन के मुताबिक,गोली चलने जैसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है,अलबत्ता 112 एम्बुलेंस के शीशे टूटने की जानकारी मिली है। उन्होंने बताया,कि मौके का जायज़ा लेने के बाद,घटना के कारणों को विवेचना में लिया गया है,आस-पास के CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे है । पुलिस के मुताबिक, आरोपी "प्रथम दृष्टया" मानसिक रोगी प्रतीत होता है,उसकी मेडिकल जाँच भी कराई जा रही है,हालात बिल्कुल सामान्य और नियंत्रण में है । पुलिस,घटना की वज़ह को लेकर अपनी तफ़्तीश में जुटी है ।

शिक्षकों का समर्पण प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बना रहा सशक्त- शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग एवं बेमेतरा जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शिक्षकों के समर्पण और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था लगातार सशक्त हो रही है। शिक्षकों के समर्पण और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था लगातार सशक्त हो रही है। दुर्ग जिले के खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण के अंतर्गत दुर्ग और बेमेतरा जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों, प्राचार्यों और प्रधान पाठकों को सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षकों का समर्पण, मेहनत और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान और संस्कार का संचार कर रही है, जिससे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक सशक्त हो रही है। उन्होंने शिक्षा श्री, शिक्षा दूत, ज्ञानदीप, उत्कृष्ट प्राचार्य तथा उत्कृष्ट प्रधान पाठक



का सम्मान प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उत्कृष्ट और समर्पित शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है, जिससे शिक्षा जगत को प्रोत्साहन मिलता है। श्री यादव ने बच्चों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षित और संस्कारवान बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मानित शिक्षकों द्वारा किया गया कार्य अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस गरिमामयी समारोह के दौरान संभाग आयुक्त श्री एन. के. राठौड़ सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से बच्चों को मिलेगा नया जीवन 48 मरीज निःशुल्क उपचार एवं सर्जरी के लिए चिन्हांकित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में बच्चों को स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य प्रदान करने की दिशा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में आयोजित विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं सर्जरी चिन्हांकन शिविर में जन्मजात विकारों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित 48 बच्चों एवं मरीजों को निःशुल्क उपचार और आवश्यक सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया है। इन मरीजों को रायपुर स्थित कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मरीजों को रायपुर तक पहुंचाने के लिए आवश्यक परिवहन व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. सरुता के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके/चिरायु) के अंतर्गत जिला मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग



सरगुजा और कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल रायपुर के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस शिविर में विकासखंड स्तर पर चिरायु दलों द्वारा पहले से चिन्हांकित बच्चों एवं मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर का उद्देश्य जन्मजात विकारों और अन्य जटिल स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे जरूरतमंद बच्चों एवं मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से जोड़ना तथा उन्हें निःशुल्क उपचार एवं सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराना है।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 48 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया। इनमें बर्न से संबंधित समस्याओं के 8 मरीज, जन्मजात कटे-फटे होंठ के 18, कटे-फटे तालू के 12 तथा क्लब फुट के 10 मरीज शामिल हैं। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद इन मरीजों को रायपुर स्थित कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल में आवश्यक उपचार एवं सर्जरी उपलब्ध कराने के संबंध में सहमति प्राप्त की गई। अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ. दीपक ठाकुर ने मरीजों की जांच कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

सार-बातें — **धान खरीदी नीति, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रॉप सर्वे और विभागीय योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा**

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गंभीरता से करें निराकरण: सीएस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव विकासशील ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अब तक राज्य में लगभग दो लाख शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा करने तथा समस्याओं का वास्तविक स्वरूप जानने के लिए आवश्यकतानुसार भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संबंधित नागरिकों की समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने और निराकरण की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में आगामी धान खरीदी के लिए नीति तैयार करने तथा जल जीवन मिशन से संबंधित नीति के शेष बिंदुओं को समय पर पूरा करने के संबंध में चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक बिंदुओं की समीक्षा कर कमियों को दूर करने तथा कार्ययोजना को व्यवस्थित रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल उपयोगिता से जुड़े विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा करने तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। प्लानिंग एरिया में अनुमति, टीएसपी एक्ट तथा प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। बैठक में पारस पोर्टल के अंतर्गत शामिल एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई। आधारभूत संरचना से जुड़ी



परियोजनाओं को बिना अनावश्यक विलंब के आगे बढ़ाने तथा जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए। पेंशन और प्रशिक्षण से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया के लिए संबंधित विभागों को अपनी आवश्यकताएं एवं प्रस्ताव समय पर भेजने के निर्देश दिए। सभी विभाग अपने-अपने विषयों और प्रस्तावों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें। बैठक में सेवा सेतु, नियामकीय प्रावधानों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे से बाहर रह गई प्रेडिसेसर सर्विसेज को इसके अंतर्गत लाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

बैठक में नवा रायपुर में प्रस्तावित बॉटनिकल गार्डन के विकास एवं बेहतर प्रबंधन के संबंध में चर्चा की गई। बॉटनिकल गार्डन में आधुनिक तकनीकों, लैंडस्केपिंग, हरित क्षेत्र के प्रबंधन और पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं का अध्ययन कर उपयोगी पहलुओं को अपनाने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को बॉटनिकल गार्डन के सुनियोजित विकास, आकर्षक स्वरूप और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जंगल सफारी के प्रबंधन, संचालन और सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, विधि एवं विधायी विभाग के प्रमुख सचिव मनीष कुमार ठाकुर, नगरीय प्रशासन विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, खनिज साधन विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत, मुख्यमंत्री के सचिव एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, वित्त एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, कौशल विकास विभाग के सचिव बसवराजु एस., कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com